गाजियाबाद, दिल्ली एवं नोएडा से एक साथ प्रकाशित

R.N.I.NO. UPHIN/1998/202

हिन्द आत्मा

दैनिक

केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु स्वीकृत

प्रातः कालीन संस्करण

दिल्ली-एनसीआर, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, मोदीनगर, बागपत, हापुड, बुलन्दशहर, मुरादाबाद एवं लखनऊ में सर्वाधिक प्रसारित

वर्षः 27 | अंकः 61 | गाजियाबाद, शनिवार 31 मई, 2025 | सम्पादक-अशोक कौशिक | मूल्य : 1 रूपया

कानपुर दौरे पर प्रधानमंत्री ने कनपुरिया अंदाज में दुश्मन देश को आतंकवाद पर दिया करारा जवाब

भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं तय करेंगी: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कानपुर में बटन दबाकर 47,600 करोड़ रुपए की 15 विकास परियोजनाओं का दिया उपहार

आतंक के आका और आतंक परस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा, पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर का खेल अब बिल्कुल भी नहीं चलने वाला: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

कानपुर/लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर में हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए एक बार फिर आतंक और पाकिस्तान पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि भारत में आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय कर दिए हैं। पहला, भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा, भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा और ना ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। तीसरा, आतंक के आका और आतंक परस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर का खेल अब नहीं चलने वाला है। अगर मैं सीधे-सीधे कनपुरिया भाषा में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा। इस दौरान, पीएम मोदी ने बटन दबाकर 47,600 करोड़ रुपए की 15 विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। पीएम ने चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन पर सजकर खड़ी मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन में वंचित वर्ग के बच्चों ने सफर तय किया। इस दौरान पीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरण किया।

पीएम मोदी ने कहा कि कानपुर में विकास का यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था, लेकिन पहलगाम हमले के कारण मुझे अपना कानपुर द्वारा रद करना पड़ा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हमारे कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी भी इस बर्बरता का शिकार हुए। उनके परिवार की पीड़ा, कष्ट और आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बेटियों, बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को घर में घुसकर, सैकड़ो मील अंदर जाकर तबाह कर दिया। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तान सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की धरती से सेना के शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। मैं फिर कहना चाहता हूं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह किसी धोखे में ना रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने, ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए। यह ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था जब भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने की शुरूआत की। यह पूरे यूपी के लिए गर्व की बात है की डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में वह बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां हैं, वैसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है। आज यूपी में देश का बड़ा डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। इस कॉरिडोर का कानपुर नोड रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का बड़ा केंद्र है। एक समय यहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे, वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में एके 20 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया उस ब्रह्मोस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश। भविष्य में कानपुर और यूपी, भारत को डिफेंस का नया एक्सपोर्टर बनाने में सबसे आगे रहेंगे। यहां नई फैक्ट्रियां लगेंगी, बड़े पैमाने पर निवेश आएगा। यहां के हजारों युवाओं को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि यूपी और कानपुर को नई ऊंचाई पर लेकर जाना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह तभी होगा जब यहां पर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जब कानपुर का पुराना गौरव फिर से लौटेगा। पिछली सरकारों ने आधुनिक उद्योगों की जरूरतों को नजर अंदाज करके रखा था। कानपुर से उद्योगों का पलायन होता गया, परिवारवादी सरकारें आंख बंद करके बैठी रहीं। नतीजा, केवल कानपुर ही नहीं पूरा यूपी पीछे हो गया। राज्य की औद्योगिक प्रगति के लिए दो सबसे जरूरी शर्तें हैं, पहली ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और दूसरी इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी। आज यहां कई पावर प्लांट्स का लोकार्पण हुआ है जो यूपी की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए बहुत बड़ा कदम है। इन पावर प्लांट्स के बाद यूपी में बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी। इससे यहां के उद्योगों को भी गति मिलेगी। आज 47,000 करोड रुपए से अधिक की लागत के कई और विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। यहां बुजुर्गों को मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड भी दिए गए हैं। अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को भी आर्थिक मदद प्रदान की गई है। यह योजनाएं, यह विकास कार्य, कानपुर और यूपी की प्रगति के लिए हमारे कमिटमेंट को दिखाते हैं।

आज केंद्र और प्रदेश की सरकार आधुनिक और विकसित यूपी के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। इसी का परिणाम है जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधा, जो संसाधन, बड़ी-बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं वह सब आप अपने कानपुर में भी देखने लगे हैं। कुछ साल पहले हमारी सरकार ने कानपुर को पहली मेट्रो की सौगात दी थी। आज कानपुर मेट्रो की ऑरेंज लाइन कानपुर सेंट्रल तक पहुंच गई है। पहले एलिवेटेड और अब अंडरग्राउंड, इस तरह का मेट्रो नेटवर्क कानपुर के महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ रहा है। कानपुर मेट्रो का यह विस्तार कोई साधारण प्रोजेक्ट नहीं है। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छा शक्ति और नेक नीयत वाली सरकार हो तो देश के विकास के लिए, प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज कानपुर और यूपी विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मेट्रो सेवा से कानपुर के लोगों को कितना फायदा होने जा रहा है।

दिल्ली, बिहार और बंगाल समेत कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। इस साल मई में नौतपा के दौरान भी तापमान कम है। अमूमन हर साल इस वक्त गर्मी से हाल बेहाल रहता है, लेकिन इस साल बारिश ने गर्मी से राहत दी है। दिल्ली-एनसीआर, यूपी, बिहार से लेकर दक्षिण भारत के राज्यों तक कैसा रहेगा मौसम का हाल, आइए जानते हैं। बता दें पिछले 24 घंटे के दौरान, केरल में कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश हुई है। केरल में एक-दो स्थानों पर बहुत भारी बारिश हुई। लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक और पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हुई। तमिलनाडु, मराठवाड़ा, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, ओडिशा और राजस्थान के कुछ भागों में भी हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है।

अगले 24 घंटे में कैसा रहेगा मौसम?

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे के दौरान, बांग्लादेश और पूर्वोत्तर भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा, तेज हवाएं और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना है। इसके बाद पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह, तटीय कर्नाटक, केरल, ओडिशा, दक्षिण छत्तीसगढ़ और लक्षद्वीप इन क्षेत्रों में भी हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में इलाकों में धूल भरी आंधी और गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा हो सकती है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी अगले 24 घंटों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है, जो उसके बाद और बढ़ सकती है। पूर्वी बिहार, पूर्वी झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक और कोंकण और गोवा में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है। मानसून ने 29 मई को छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कुछ और हिस्सों, उत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों, पूर्वोत्तर भारत के शेष हिस्सों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और पूरे सिक्किम में आगे बढ़त बना ली है। आने वाले एक से दो दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ सकती है।

दिल्ली में कैसा रहेगा आज का मौसम?

दिल्ली में आने वाले कुछ दिनों तक आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। आज यानी शुक्रवार की शाम को धूल भरी आंधी और हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि अनुमान लगाया गया है कि ये हालात बेहद कम समय के लिए रहेंगे। वहीं शनिवार को आसमना साफ रहेगा। हालांकि 1 से 5 जून के बीच दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू होने की संभावना है। अगले एक सप्ताह तक लू का कोई खतरा नहीं है।

देशभर में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के आंकड़े, अस्पताल में लगी मरीजों की लाइनें, 100 से ज्यादा लोग संक्रमित

नई दिल्ली। देश में एक बार फिर कोरोना के मामले बढ़ते नजर आ रहे हैं। अब तक 1000 से ज्यादा लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, झारखंड, कर्नाटक, केरल जैसे कई राज्यों में नए केस सामने आ रहे हैं। इस बीच कई राज्यों में स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट कर दिया है। दिल्ली में अब तक 104 केस मिले हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 19 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और बाकी घर पर ही इलाज करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, सरकार पूरी तरह से तैयार है। अस्पतालों में दवाइयां, बेड और ऑक्सीजन की व्यवस्था कर ली गई है। गुरुग्राम में भी कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को 3 नए केस मिले, और पिछले 10 दिन में कुल 16 मरीज मिले हैं। आज के मरीज सेक्टर-53, सेक्टर-24 और सेक्टर-83 से हैं। नोएडा में एक्टिव केस की संख्या अब 19 हो गई है, जिसमें 11 महिलाएं और 8 पुरुष शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री और संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटा रहा है। डॉक्टरों ने लोगों से मास्क पहनने, सैनिटाइजर इस्तेमाल करने और भीड़भाड़ से दूर रहने की सलाह दी है। मेरठ में भी एक नया केस मिला है। दिल्ली में पढ़ाई करने वाली 25 साल की एक लड़की कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। उसे बुखार और पेट दर्द की शिकायत के बाद जांच की गई थी। झारखंड में दो नए केस मिले हैं, जिससे वहां कुल संक्रमितों की संख्या 3 हो गई है। कर्नाटक में भी कोरोना की स्थिति चिंताजनक है। वहां कुल 126 एक्टिव केस हैं। बेलगावी जिले में कोरोना से एक बुजुर्ग की मौत हो चुकी है। यह राज्य में हाल ही में हुई दूसरी मौत है।

तुर्किये से तनाव के बीच डीजीसीए का बड़ा फैसला, टर्किश एयरलाइन के विमानों की लीज सिर्फ तीन महीने बढ़ाई

नई दिल्ली। एविएशन नियामक डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) ने शुक्रवार को इंडिगो को टर्किश एयरलाइंस से दो बोइंग 777 विमानों के लीज पर संचालन की अनुमति को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है, ताकि अचानक उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को असुविधा न हो। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है। फिलहाल, इंडिगो दो बी-7777-300 एफविमान तुर्किये एयरलाइंस से डैम्प लीज के तहत संचालित कर रही है, और इस लीज की मौजूदा अवधि 31 मई को समाप्त होने वाली थी। सूत्रों के मुताबिक, डीजीसीए ने अब इस लीज को तीन महीने बढ़ाकर 31 अगस्त तक के लिए मंजूरी दे दी है। हालांकि, एयरलाइन ने छह महीने के विस्तार का अनुरोध किया था। इस बीच, तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने और इस महीने की शुरूआत में भारत द्वारा आतंकवादी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई की निंदा करने के बाद इंडिगो और तुर्किये एयरलाइंस के संबंधों पर निगरानी बढ़ा दी है। 15 मई को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में' तुर्किये की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। इसके अलावा, कुछ ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल्स और संगठनों ने यात्रियों को तुर्किये की यात्रा न करने की सलाह देते हुए एडवाइजरी जारी की है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान तुर्किए ने पाकिस्तान को सपोर्ट किया था। इसके बाद से ही देशभर में तुर्किए के सामानों का विरोध हो रहा है। 15 मई को विमानन सुरक्षा निगरानी संस्था (बीसीएएस) ने राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में तुर्की की कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। इस मामले पर इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने शुक्रवार को कहा कि टर्किश एयरलाइंस के विमानों के वेट लीजिंग पर सरकार के सभी नियम का पालन करेंगे। वेट लीजिंग में विमान देने वाली कंपनी ही चालक दल, रखरखाव और बीमा का इंतजाम करती है।

मुंबई ने गुजरात को किया बाहर, अब क्वालिफायर-2 में पंजाब से टक्कर, सुदर्शन-सुंदर की पारी बेकार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटन्स को 20 रनों से हरा दिया। 30 मई (शुक्रवार) को मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस मुकाबले में मुंबई ने गुजरात को जीत के लिए 229 रनों का टारगेट दिया था। जिसका पीछा करते हुए गुजरात की टीम 20 ओवरों में 6 विकेट पर 208 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस क्वालिफायर-2 में पहुंच गई, जहां उसका मुकाबला पंजाब किंग्स से होगा। वहीं गुजरात टाइटन्स टूनार्मेंट से आउट हो गई। क्वालिफायर-2 मुकाबला 1 जून को अहमदाबाद में खेला जाना है। क्वालिफायर-2 मुकाबले की विजेता का फाइनल में सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से 3 जून को होगा। टारगेट का पीछा करते हुए गुजरात टाइटन्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में कप्तान शुभंमन गिल (1) का विकेट गंवा दिया। शुभमन तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। इसके बाद साई सुदर्शन और कुसल मेंडिस ने 64 रनों की साझेदारी करके पारी को संभाला। कुसल मेंडिस 20 रन बनाकर मिचेल सेंटनर की बॉल पर हिटविकेट आउट हुए। यहां से साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर के बीच तीसरे विकेट के लिए 84 रनों की पार्टनरशिप हुई, जिसने गुजरात टाइटन्स को मैच में वापस ला खड़ा किया। सुंदर-सुदर्शन की पार्टनरशिप को जसप्रीत बुमराह ने तोड़ा। वॉशिंगटन सुंदर 48 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर बोल्ड हुए। सुंदर ने 24 गेंदों की पारी में 5 चौके और तीन छक्के लगाए। यहां से साई सुदर्शन पर बड़ी जिम्मेदारी थी, लेकिन वो तेज गेंदबाज रिचर्ड ग्लीसन की गेंद पर बोल्ड हो गए। सुदर्शन ने 10 चौके और एक सिक्स की मदद से 49 गेंदों पर 80 रन बनाए। सुदर्शन के आउट होने के समय गुजरात का स्कोर 15.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 170 रन था। इम्पैक्ट सब के तौर पर उतरे शेरफेन रदरफोर्ड (24) ने कुछ बड़े शॉट्स खेले, लेकिन ट्रेंट बोल्ट ने 19वें ओवर की पहली गेंद पर उन्हें पवेलियन लौटा दिया।

मेवाड़ में वीर सावरकर जयंती समारोहपूर्वक मनाई

कायरतापूर्ण जीवन जीना रोजाना मरने के समानः डॉ. अशोक कुमार गदिया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित वीर सावरकर जयंती समारोह में देशभक्तिपूर्ण कविताओं, भजनों व भाषणों ने खूब समां बांधा। इंस्टीटृयूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि हम रोजाना मौत से डरना बंद करें। मृत्यु पर विजय पाना सीखें। कायरता का जीवन त्यागकर देश व समाज को आगे बढ़ाने की बात करें। तभी हम सच्चे अर्थों में वीर सावरकर की जयंती मनाने में सफल हो पाएंगे। डॉ.गदिया ने अपने सम्बोधन में कहा कि युवाओं को आज नौकरियां मिलें, यह तो जिंदगी का एक सफल मकसद हो सकता है मगर देश और समाज के लिए युवाओं को प्रेरित कर सकें, यह एक शिक्षक का काम है। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस इसी भावना को मिशन के रूप में लेकर निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर मुस्लिम विरोधी कतई नहीं थे। वह 200 सबजातियों में बंटी हिन्दू संस्कृति के खिलाफ थे। इस संस्कृति को संगठित करना ही उनका मकसद था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सावरकर के अधूरे सपने के एकांश को पूरा करने में सफलता अर्जित की है। उन्होंने आगे कहा कि अपनी समस्या खुद ही हल करनी होगी। मेवाड़ में भी एक इंडिया हाउस है, जिसमें महापुरुषों की जयंतियों के अलावा देश व समाज को आगे बढ़ाने वाले कार्यों को करना अपना नैतिक कर्तव्य समझा जाता है। डॉ.गदिया ने वीर सावरकर के जीवन के अनेक संदर्भों को शब्दचित्र के जरिये रेखांकित किया। समारोह में इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ.अलका अग्रवाल ने कहा कि यातनाएं सहने से कभी नहीं डरना चाहिए। यातनाएं सहने वाला लम्बी आयु जीता है। वीर सावरकर का जीवन इसका एक सशक्त उदाहरण है। इससे पूर्व मेवाड़ के चेयरमैन डॉ. गदिया, निदेशिका एवं डॉ.अलका अग्रवाल ने वीर सावरकर, शारदे मां व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप जलाया और पुष्प अर्पित कर अपनी भावांजलि दी। समारोह में बीएड के विद्यार्थियों के कंचन एंड ग्रुप, अनुष्का, तनु, जया, प्राची एंड ग्रुप, अनिरुद्ध एंड ग्रुप आदि ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समारोह का संचालन सृष्टि पांडेय ने किया। इस अवसर पर मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशसं का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पदभार ग्रहण करने पर राष्ट्रीय व्यापार मंडल ने किया नवनियुक्त एडीएम सिटी विकास कश्यप का स्वागत

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नवनियुक्त एडीएम सिटी विकास कश्यप का गाजियाबाद में पदभार ग्रहण करने पर राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष रेलवे बोर्ड सदस्य बालकिशन गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित अशोक भारतीय के साथ नागेंद्र कश्यप, मनजीत कश्यप, देवानंद कश्यप आदि ने उनके कार्यालय कलेक्ट्रेट गाजियाबाद पहुंचकर पुष्प देकर तिरंगा पटका देकर स्वागत किया तथा अपने सहयोग की पेशकश की तथा उनकी प्रगति उन्नति की कामना की।

श्री गुरुअरजन देव जी के शहीदी दिवस पर कीर्तन व गुरुवाणी के पश्चात ठंडे जल की छबील लगाई

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गुरुद्वारा जी ब्लॉक कविनगर में शहीदों के सरताज पंचम गुरु धन धन साहिब श्री गुरु अरजन देव जी के शहीदी दिवस पर मानवता के लिए दी गई उनकी शहादत पर कीर्तन व गुरुवाणी के पश्चात ठंडे जल की छबील लगाई गई। इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने भी गुरुद्वारे में माथा टेककर गुरु जी की शहादत पर अपने श्रद्धांसुमन अर्पित किए। गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष रविन्दर सिंह जौली ने सरोपा व चित्र भेंटकर उनका सम्मान किया। मयंक गोयल ने कहा कि सिक्ख गुरुओं ने मानवता के लिए शहादत देकर समाज को मानवता की राह दिखाई। इस अवसर पर सरदार एस.पी. सिंह, गुरमिन्दर सिंह, ज्ञानी राजेन्द्र सिंह, महेन्द्र सिंह, एस.सी. धींगडा, हेमन्त, सचिन व राजेश आदि मौजूद रहे।

रूकमणि साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं: कथा व्यास अभिषेक भाई जी

भगवान की कृपा से भागवत कथा मे कृष्ण-रूकमणि विवाह कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआः शहर विधायक संजीव शर्मा

हिन्द आत्मा संवाददाता

बद्रीनाथ धाम। शहर विधायक संजीव शर्मा व उनकी पत्नी ऋतु शर्मा एवं आशीष और रूबी अग्रवाल द्वारा शिव बद्रिका धाम बद्रीनाथ में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के छठे दिन भगवान कृष्ण व रूकमणि का विवाह हुआ। भगवान के विवाह को लेकर भक्तों में बहुत उत्साह रहा। सुंदर झांकियों ने सभी को मोहित कर दिया। कथा व्यास अभिषेक भाई जी बालाजी धाम आश्रम आगरा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणी के साथ हुआ था। रुक्मणी को श्रीकृष्ण द्वारा हरण करने के बाद विवाह किया गया। रुक्मणी स्वयं साक्षात लक्ष्मी हैं और वह नारायण से दूर रह ही नहीं सकती हैं। रुक्मणी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनी तो बहुत प्रभावित हुईं और मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मणी का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था। इसीलिए श्रीकृष्ण ने हरण कर रुक्मणी से विवाह किया। कथा के दौरान भजनों ने सभी को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण व रूकमणि के विवाह के दौरान ऐसा लगा कि मानो हम सभी द्वापर युग में पहुंच गए और भगवान के विवाह में शामिल हैं। कथा यजमान शहर विधायक संजीव शर्मा व उनकी पत्नी ऋतु शर्मा एवं आशीष और रूबी अग्रवाल ने भागवत भगवान की आरती की व कथा व्यास का स्वागत किया तथा सभी भक्तों का आभार जताया।

दुलारी सामाजिक सेवा समिति का निःशुल्क समर कैंप समापन

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। इंदिरा कॉलोनी साहिबाबाद में दुलारी सामाजिक सेवा समिति द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए चल रहे निःशुल्क समर कैंप का समापन सर्टिफिकेट प्रदान कर किया गया। 20 मई से चल रहे दुलारी सामाजिक सेवा समिति द्वारा निशुल्क समर कैंप में छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु रोजगार प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें सुधा श्रीवास्तव के नेतृत्व में सिलाई, मेहंदी, सॉफ्टवेयर बनाना, ब्यूटीशियन कोर्स करवाएं। साथ ही संतोष कुमार द्वारा सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग करवाई गई ताकि बच्चियों के साथ में कहीं पर भी कोई छेड़छाड़ होने पर वह अपनी आत्मरक्षा कर सके। डॉक्टर सरिता गुप्ता द्वारा पर्सनल केयर पर चर्चा हुई और छात्राओं के सवालों के जवाब दिए गए। शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए खान पान में क्या-क्या आवश्यक है, बच्चों को मोबाइल से होने वाले फायदे और नुकसान को सेहत से जोड़कर डॉक्टर सरिता गुप्ता ने खानपान की बारे में बताया। तथा मोबाइल से होने वाले नुकसान हारमोंस को किस तरह से इफेक्ट करते हैं यह भी उन्होंने बच्चों को बहुत अच्छे से समझाया। स्मृद्धि कुमारी द्वारा सोशल मीडिया, मोबाइल फोन, इंटरनेट, लैपटॉप का इस्तेमाल करना और उसके फायदे नुकसान बताए गए। साथ ही साइबर पुलिंग एवं हैकिंग से बचाव हेतु टिप्स भी प्रदान किये। कार्यक्रम में दुलारी समिति की अध्यक्ष राधिका शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दुलारी समिति हमेशा ही सामाजिक कार्य में अग्रसर रहती हैं। आप सभी के द्वारा जो सेवाएं प्रदान की गई है उन सबका बहुत-बहुत धन्यवाद साधुवाद। छात्राओं को भी बहुत-बहुत बधाई है। जिन्होंने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है ताकि वह अपने आगे आने भविष्य में उसका इस्तेमाल भी कर सके। सुधा श्रीवास्तव, मीनाक्षी शर्मा, स्वाति, बबीता देवी, स्मृति, आरती सदस्याओं ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

आईएमएस कोचिंग आरडीसी के छात्रों ने आई.आई.एम. आई.पी.मैट. परीक्षा में हासिल की सफलताः राहुल गोयल

बाहरवीं के तुरंत बाद मिल सकेगा आईआईएम में पढ़ने का मौका

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। भारत के सर्वोच्च मैनेजमेंट संस्थान आई.आई.एम. द्वारा 12वी के तुरंत बाद वहा पढ़ना सुनहरे अवसर से कम नहीं है। 5 वर्षीय मैनेजमेंट प्रोग्राम (आईपीएम) की शुरूआत आईआईएम इंदौर द्वारा ही गयी थी जो अब करीब 11 आईआईएम आईपीएम प्रोग्राम या उससे सम्बंधित मैनेजमेंट प्रोग्राम अपने कैंपस में करवा रहे है जैसे आईआईएम रोहतक, जम्मू, बोधगया, अमृतसर आदि।

भारत के सर्वोच्च मैनेजमेंट संस्थानों में से एक आईआईएम रोहतक की परीक्षा आईपीमैट का परिणाम अभी हाल ही में घोषित हुआ है जिसमे आईएमएस कोचिंग आरडीसी गाजियाबाद के कई छात्रों ने सफलता हासिल की है। आईएमएस कोचिंग आरडीसी के डायरेक्टर एवं आईआईएम एलुमनाई राहुल गोयल ने बताया कि आईआईएम रोहतक द्वारा आयोजित आइपीमैट परीक्षा में उनके कोचिंग के 5 छात्रों ने सफलता हासिल की है जिसमे डीपीएसजी स्कूल की इशिका, ब्राइटलैंड स्कूल के मानिक, सिल्वर लाइन स्कूल के रुषभ यादव, डीपीएस राजनगर एक्सटेंशन स्कूल के दक्ष कपूर, संस्कृति स्कूल के माधव सिंह ने इस परीक्षा में सफल आकर अपने कोचिंग, अपने परिवार एवं अपने शहर का नाम रोशन किया है।

आईआईएम कोलकाता एलुमनाई राहुल गोयल ने बताया कि आईआईएम व उसके जैसे संस्थानों में एडमिशन मिलना गर्व की बात होती है एवं यह पहले ही करीब करीब तय हो जाता है कि इस बच्चे को वहा से शिक्षा पूरी करने के बाद एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कितने लाख का पैकेज मिलेगा। इन छात्रों ने कठोर परिश्रम कर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। राहुल गोयल ने बताया कि अभी भी दर्जनो छात्र अपने परिणाम का इंतजार कर रहे है जिनका नाम अभी आईआईएम एवं ऐसे संस्थानों में वेट लिस्ट में है और जल्द ही इन छात्रों को भी सुखद परिणाम मिलेंगे।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने केंद्रीय मंत्री संस्कृति एवं पर्यटन गजेंद्र सिंह शेखावत को सम्मानित

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। अहिल्याबाई होलकर के 300वीं जयंती के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय सभागार में केंद्रीय मंत्री संस्कृति एवं पर्यटन गजेंद्र सिंह शेखावत को सम्मानित करते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष एवं मेरठ मंडल प्रभारी संदीप बंसल, प्रदेश सचिव सुबोध गुप्ता, जिला वरिष्ठ चेयरमैन राजेश बंसल, जिला कोषाध्यक्ष दीपक गर्ग, संजय बिंदल, दुष्यंत गुप्ता आदि रहे।

बजरिया गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा में भी शहीदी पर्व मनाया गया

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गुरु अर्जुन देव का शहीदी पर्व पूरी दुनिया में मनाया गया। आज के दिन सभी गुरुद्वारों साहब के बाहर आम संगत के लिए मीठे जल की छबील लगाई जाती है। गुरु अर्जन देव जी महाराज पंचम गुरु थे सिख धर्म के (1571-1606) गुरु अर्जन देव जी को (शहीदों के सरताज एवं शान्तिपुंज) के नाम से जाना जाता है। गुरु अर्जन देव जी ने गुरु ग्रंथ साहिब जी के पहला संकरण की रचना की थी जिसमें तीस रागों में गुरु जी की वाणी संकलित है श्री गुरुग्रंथ साहिब में सर्वाधिक वाणी पंचम गुरु की ही है। ग्रन्थ साहिब का सम्पादन गुरु अर्जुन देव जी ने भाई गुरदास की सहायता से 1604 में किया। ग्रन्थ साहिब में 36 महान वाणीकारों की वाणियाँ बिना किसी भेदभाव के संकलित हुई। सिख सतगुरु एवं भक्त श्री गुरु नानक देव श्री गुरु अंगद देव, श्री गुरु अमर दास, श्री गुरु राम दास, श्री गुरु अर्जन देव श्री गुरु हरि गोबिंद, श्री गुरु हरि राय श्री गुरु हरि कृष्ण श्री गुरु तेग बहादुर, श्री गुरु गोबिंद सिंह, भक्त रैदास जी भक्त कबीर जी शेख फरीद, भक्त नामदेव बानी दर्ज है अर्जुन जी की माता का नाम बीवी भानी जी था।

गुरु अर्जन देव जी के समय मुगल शासक जहाँगीर का राज था लाहौर मैं जो की अब पाकिस्तान में है, 30 मई, 1606 को बहुत सी यातनाएं देकर उनकी हत्या करवा दी उनको गर्म तवे पर बिठाया गया तवे नीचे आग जल रही थी सर के ऊपर से गर्म रेट डाली गई लेकिन गुरु जी ने हिम्मत नहीं छोड़ी गुरु जी शांत और गंभीर स्वभाव के स्वामी थे वे अपने युग के सर्वमान्य लोकनायक थे, जो दिन-रात संगत सेवा में लगे रहते थे उनके मन में सभी धर्मो के प्रति अथाह स्नेह था। मानव-कल्याण के लिए उन्होंने आजीवन शुभ कार्य किए। अकबर के देहांत के बाद जहांगीर दिल्ली का शासक बना वह कट्टर-पंथी था अपने धर्म के अलावा उसे और कोई धर्म पसंद नहीं था।

गुरु जी के धार्मिक और सामाजिक कार्य भी उसे सुखद नहीं लगते थे कुछ इतिहासकारों का कहना है जहांगीर के पुत्र शहजादा खुसरो को शरण देने के कारण जहांगीर गुरु जी से नाराज था खुसरो गुरुजी से बहुत प्रभावित थे और उनका सम्मान करते थे 28 अप्रैल, 1606 ई. को बादशाह ने गुरु जी को परिवार सहित पकडने का हुक्म जारी किया इस बाद गुरु जी अनेक प्रकार के कष्ट दिए गए उन कष्ट को झेलते हुए गुरु जी शांत रहे, उनका मन एक बार भी कष्टों से नहीं घबराया गरम तपता हुए तवा उनके शीतल स्वभाव के सामने नसुखदाई बन गया तपती रेत ने भी उनकी निष्ठा भंग नहीं की गुरु जी ने प्रत्येक कष्ट हंसते-हंसते झेलकर शहीद हो गए और यही अरदास की- (तेरा कीआ मीठा लागे॥ हरि नामु पदारथ नानक मांगे) ऐसे महान गुरु का आज शहीदी दिवस है। इसी कड़ी में बजरिया गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में भी शहीदी पर्व मनाया गया। गुरुद्वारा साहिब में पिछले एक माह से स्त्री सत्संग के द्वारा निरंतर सुखमणि साहब के पाठ चल रहे थे उसकी आज समाप्ति हुई। अरदास हुई फिर लंगर वितरित किया गया और सब ने फिर ठंडा जल की सेवा की खुद भी ग्रहण किया। छबील की सेवा करते समय स्त्री सत्संग की समस्त टीम गुरुद्वारे के प्रधान सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू, महामंत्री एसपी सिंह ओबेरॉय, वीर खालसा दल के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह ओबेरॉय, जगमोहन कपूर, सरदार कुलदीप सिंह, सरदार अवतार सिंह, हरदीप ओबेरॉय, दारा सिंह आदि।

नगर पंचायत निवाड़ी द्वारा मनाई गई रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती के अवसर पर नगर पंचायत निवाड़ी में मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल, जिला महामंत्री श्रीमती अपराजिता सिंह, मंडल अध्यक्ष सचिन त्यागी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राकेश त्यागी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण त्यागी, नितिन त्यागी, बिजेंद्र सिंह, सुनील त्यागी फौजी, अरुण त्यागी फौजी, जयप्रकाश त्यागी, सचिन त्यागी, मनीष त्यागी, राजन त्यागी, रविंद्र त्यागी, जितेंद्र, सतीश त्यागी व अधिशासी अधिकारी डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह, अध्यक्ष अनिल त्यागी समस्त सभासदगण व समस्त स्टाफ नगर पंचायत निवाड़ी द्वारा जयंती मनाई गई। अहिल्याबाई होलकर जी की जयंती के अवसर पर महिलाओं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर डीजे डेंटल कॉलेज द्वारा निकाली गई जागरूकता रैली

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। निवाड़ी रोड स्थित डीजे डेंटल कॉलेज मोदीनगर द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। जिसमें डीजे संस्थान से जुड़े डॉक्टर एवं फैकल्टी मेंबर्स बड़ी संख्या में शामिल हुए। शुक्रवार को डीजे डेंटल कॉलेज द्वारा निकाली गई यह जागरूकता रैली राज चौपला मोदीनगर से शुरू होकर आरटीएस मेट्रो स्टेशन नॉर्थ तक होते हुए वापस राज चौपला स्थित मोदी यादगार पर आकर समाप्त हुई।जिसमें डीजे डेंटल कॉलेज में शिक्षा ग्रहण कर रहे एवं शिक्षा दे रहे डॉक्टरों सहित फैकल्टी मेंबर्स ने भारी संख्या में हिस्सा लेते हुए स्थानीय लोगों तंबाकू का सेवन न करने के लिए प्रेरित किया। रैली का उद्देश्य भी आम आदमी को तंबाकू एवं उससे होने वाली जानलेवा बीमारियों के लिए जागरूक करना एवं तंबाकू एवं उससे बने किसी भी उत्पाद का सेवन न करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस जागरूकता रैली का संचालन डीजे डेंटल कॉलेज की मैनेजमेंट प्रिंसिपल एंड डीन फैकल्टी मेंबर एवं बीडीएस के छात्रों द्वारा कड़ी मेहनत के साथ किया गया।

आरकेजीआईटी में एनसीसी के कैडेट्स ने सीखा ड्रोन ऑपरेशन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में 37 यूपी बटालियन गाजियाबाद के सौजन्य से 10 दिवसीय एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। हाल ही में भारत पाक के बीच तनाव के दौरान हुए ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ। सर्विलांस से लेकर सटीक वार तक ड्रोन ने अहम भूमिका निभाई। इसे देखते हुए अब नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) ने अपने ट्रेंनिंग माड्यूल में ड्रोन टेक्नोलॉजी को शामिल कर लिया है। जिसको देखते हुए आरकेजीआईटी में हाल ही में हुए कैंप में एनसीसी कैडेट्स को इसकी ट्रेनिंग दी गई ताकि वह तकनीकि रूप से अपडेट हो सके। यहां विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के 230 गर्ल्स और 370 बॉयज सहित लगभग 600 कैडेट्स को ग्राउंड पर लाइव फ्लाइंग ट्रेनिंग दी गई तथा क्लास रूम सेशन में ड्रोन टेक्नोलॉजी की थ्योरी पढ़ाई गई । ट्रेनिंग के दौरान एक्सपर्ट्स ने बेसिक फ्लाइंग स्किल, सेफ्टी प्रोटोकॉल व आपरेशन प्रक्रियाओं की जानकारी दी। कर्नल संदीप पाण्डेय एवं कर्नल उमेश मारवाह ने बताया कि इस ट्रेनिंग में ड्रोन के विभिन्न पार्ट्स को असेंबल करना, उसे उड़ान के लिए तैयार करना व रिमोट कंट्रोल से ऑपरेशन करना भी सिखाया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र रावत ने की सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात

हिन्द आत्मा संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर स्थित इफको जनसंपर्क विभाग के पूर्व प्रबंधक व अखिल भारतीय बारी समाज के लोकप्रिय राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार रावत ने गत दिनों उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर बारी समाज की समस्या, समाधान, प्रगति, विकास समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रावत को हर संभव मदद का आश्वासन दिया और कहा कि आपके लिए मेरा दरबार सदैव खुला है। इस आश्वासन पर श्री रावत ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय बारी समाज के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह बारी मौजूद रहे।

देश की आजादी के लिए हुए इस प्रथम स्वतंत्रता संग्राम1857 क्रांति देशभक्तों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले वतन पर मर मिटने वालों का यही बाकी निशा होगा: बीके शर्मा हनुमान

गाजियाबाद (हिन्द आत्मा)। गाजियाबाद प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 शहीद स्मारक समिति द्वारा आयोजित हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 30 मई 2025 को शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन के पास श्रद्धांजलि भावांजलि पुष्पांजलि की गई समिति के अध्यक्ष पंडित रामआसरे शर्मा ने बताया कि हिंडन नदी का ऐतिहासिक युद्ध, जब क्रांतिकारियों ने अंग्रेजो का घमंड चकनाचूर किया 31 मई का दिन भारतीय इतिहास में सदा याद किया जाता रहेगा क्योंकि 30 व 31 मई 1857 को ब्रिटिशकालीन भारत में दुनिया की सबसे प्रशिक्षित अंग्रेजी फौज व भारत के क्रान्तिकारियो की उत्साही सेना का मुकाबला गाजियाबाद में बहती हिंडन नदी के तट पर हुआ था। संस्था के मीडिया प्रभारी एवं विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भारतीय इतिहास का एक ऐसा दिव्य तथा भव्य अध्याय है, जिसमें धर्म, वर्ग, जातियों की सभी दीवारें ध्वस्त हो जाती हैं और जनसमूह के रूप में भारत की आत्मा मुखर होती है अंग्रेजी तथा वामपंथी इतिहासकार भले ही इस महासमर को गदर या विद्रोह की संज्ञा दें, परंतु यह भारतीय आत्मा की आवाज थी। इस आवाज का स्पंदन सनातन राष्ट्र की पावन माटी के कण-कण में सुरभि-स्वरूप अनुभूत किया जा सकता है। जंग-ए-आजादी में जनचेतना और मनचेतना का कार्य हर स्तर पर हुआ। उस वक त की व्रतधारी पत्रकारिता ने भी आजादी के पहले समर में क्रांति का बीजारोपण किया। जन-जन तक, मन-मन तक आजादी के समर को पहुँचाया और फिरंगी हुकूमत के खिलाफ उठ खड़े होने का शंखनाद किया। ऐसा शंखनाद, जिसने अनंत नभ में आजादी की क्रांति को हवा दी। राष्ट्र और राष्ट्रगायकों को हमारी ओर से सादर शब्दांजलि है, भावांजलि इस अवसर पर संस्था के महामंत्री पी.ए.गर्ग, वरिष्ठ समाजसेवी संदीप त्यागी रसम, छोटेलाल कन्नोजिया, सतपाल सिंह तेवतिया पूर्व डायरेक्टर गन्ना समिति, हरेंद्र पप्पू पूर्व सभासद, संतोष दिक्षित, शरीफ मियां, भिखारी लाल, डॉ. शीला रानी, डॉक्टर संजय सिंह, डॉ. दिलीप कुमार, डॉ. एस.के. मिश्रा, एम.एल. बड़वार, ए. खालिद, डॉ. मिलन मंडल, डॉ. वसीम, डॉ.एस.के. सिकदर, ब्रजन विश्वास, अभिजीत दत्ता, किंकर राय, आलोक चंद शर्मा, डॉ.डी.के.सिंह, डॉ.ऐ.के. जैन, डॉ. देवाशीष ओझा, रंजीत पौद्दार, डॉ. डी.के.वासु, गौरव, डॉ. देवेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

प्रथम मेजर अंडर-13 बैडमिंटन स्टेट टूर्नामेंट-2025 के दूसरे दिन के मुकाबले अत्यंत रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहे

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। गाज़ियाबाद में चल रहे प्रथम मेजर अंडर-13 बैडमिंटन स्टेट टूर्नामेंट-2025 के दूसरे दिन के मुकाबले अत्यंत रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक रहे। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया और दर्शकों को तालियों के साथ खेल का भरपूर आनंद मिला।

एकल मुकाबलों के परिणाम इस प्रकार रहे:-

1. नोएडा की वन्या चौधरी ने मेरठ की अन्वी प्रधान को 30-08 से पराजित किया।
2. गाज़ियाबाद की मिष्टि ने सहारनपुर की आराध्या को कड़े मुकाबले में 30-28 से हराया।
3. गाज़ियाबाद के उत्कर्ष ने अलीगढ़ के हार्दिक को 30-10 से शिकस्त दी।
4. गाज़ियाबाद के कनव गुप्ता ने ललितपुर के लक्षित को 30-28 से पराजित किया।
5. आगरा के रोबिन ने मेरठ के प्रतुष को 30-16 से हराया।
6. मेरठ की गर्विता ने आगरा की ईशा को 30-16 से मात दी।

डबल्स मुकाबलों के प्रमुख परिणाम:-

1. कानपुर की नीतिका एवं उपप्रेक्षा की जोड़ी ने प्रयागराज की अनन्या एवं नव्या को 30-12 से हराया।
2. वाराणसी की प्रियंका एवं उर्वशी ने गाज़ियाबाद की मिष्टि एवं हिमांशी को 30-10 से हराया।
3. आगरा के जयदेव एवं शौर्य ने ललितपुर के लक्षित एवं सिद्धांत को 30-17 से शिकस्त दी।

आज की प्रतियोगिता में उपस्थित गणमान्य अतिथियों में शामिल रहे ललित जायसवाल (अध्यक्ष), नरेन्द्र शर्मा (सचिव), अमित शर्मा (टेक्निकल चेयरमैन, आयोजन समिति), राष्ट्रीय बैडमिंटन पुलिस कोच वरुण पवार, राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी राजीव मालिक, बी.एल.बत्रा (अमित्र फाउंडेशन), सुमित कुमार सेंट पॉल, गिरीश चौहान, अतुल कुमार आदि। आयोजन समिति की ओर से सभी खिलाड़ियों, कोचों, अभिभावकों एवं दर्शकों का धन्यवाद एवं आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएँ।

छाया पब्लिक स्कूल छात्र दिव्यांशु ने नेशनल गेम्स में रजत पदक जीत कर किया क्षेत्र का नाम रोशन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। नगर के गोविंदपुरी स्थित छाया पब्लिक स्कूल के12वीं कक्षा छात्र दिव्यांशु ने नेशनल यूथ गेम्स के गोला फेक स्पर्धा मैं शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर किया क्षेत्र एवं स्कूल का नाम रोशन। दिल्ली स्थित त्यागराज स्टेडियम में आयोजित नेशनल यूथ गेम्स एथलेटिक्स की गोला फेक स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक किया अपने नाम। दिव्यांशु ने अपनी इस विशेष सफलता से छाया पब्लिक स्कूल के साथ मोदीनगर व उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिखाया। नेशनल यूथ गेम्स में रजत पदक जीत कर मोदीनगर लौटने की खुशी में विद्यालय प्रांगण में उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ० अरुण त्यागी ने बताया की शिक्षा के क्षेत्र में जहां 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में गरिमा छाबड़ा ने शहर टॉप करने के साथ ही गाजियाबाद जिले के शीर्ष पांच छात्रों में अपना नाम दर्ज कराया तो वहीं अनविषा ने केबीसी जूनियर की विजेता बनने का गौरव हासिल किया। इसके अलावा खेलों में भी छाया स्कूल के बच्चे राष्ट्रीय ही नहीं अंतर-राष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। जिनमे बैडमिंटन में हिमांशु मित्तल, एथलेटिक्स भाला फेंक में दीपांशु शर्मा, स्केटिंग में अचीव, डिस्कस थ्रो में अनंत दर्शन और अब गोला फेक स्पर्धा में दिव्यांशु ने छाया स्कूल का ही नहीं पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिखाया। डॉ० अरुण त्यागी ने कहा भविष्य में भी ये बच्चे एशियाई खेलों व ओलंपिक खेलों की अपनी-अपनी स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे डॉ० अरुण त्यागी ने बताया की दिव्यांशु के पिता प्रदीप कुमार भी पावरलिफ्टिंग के राष्ट्रीय खिलाड़ी व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी रहे हैं। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सरकार का लक्ष्य दिल्ली के सरकारी स्कूलों को बनाना है अभिभावकों की 'फर्स्ट चॉइस', दिल्ली में इस वर्ष विश्वस्तरीय 75 नए सीएम श्री स्कूल खोले जाएंगे

नई दिल्ली (हिन्द आत्मा)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज राजकीय प्रतिभा बाल विकास विद्यालय, राजपुर रोड में आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद सहित छात्र-छात्राएं, उनके अभिभावक, शिक्षकगण और शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 87 छात्रों को टेबलेट देकर सम्मानित किया जिनमे 16 छात्र 10 वी कक्षा और 71 छात्र 12 वी कक्षा के है। इसके अतरिक्त मुख्यंत्री ने दिल्ली के 20 सरकारी स्कूलों के प्रमुखों को कंप्यूटर देकर सम्मानित किया जिनके स्कूलों का 10वीं और 12वीं में 100 प्रतिशत परिणाम आया है। मुख्यमंत्री ने बच्चो को उनके उज्जवल भविष्य कि कामना करते हुए कहा कि आज आपकी मेहनत रंग लाई है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि आप सभी ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है। आज आप न केवल अपने माता-पिता और स्कूल का, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। दिल्ली सरकार को अपने सभी छात्रों पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा कि यह सफलता केवल अंकों की जीत नहीं है, बल्कि यह छात्रों के कठिन परिश्रम, अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ता और जीवन के प्रति उनके सकारात्मक सोच का उदाहरण है। उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि अगर आपकी इच्छा है, आपका विजन स्पष्ट है और मेहनत की लगन है, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं। मुख्यमंत्री ने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए बताया कि वह स्वयं दिल्ली सरकार के अशोक विहार स्कूल से पढ़ी हैं। मुख्यमंत्री ने शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद और एसबीआई को धन्यवाद देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम स्कूलों के परिणाम घोषित होने के तत्काल बाद आयोजित किया गया, ताकि छात्रों और अभिभावकों की खुशी को सम्मान मिल सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नीति-निर्माण को प्राथमिकता दे रही है, जिससे हर सरकारी स्कूल में बच्चों को स्मार्ट क्लासरूम, स्वच्छ शौचालय, डिजिटल लाइब्रेरी और प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि दिल्ली में सरकारी स्कूलों को फर्स्ट चॉइस बनाया जाए। जिस प्रकार उच्च शिक्षा के लिए लोग सरकारी कॉलेज जैसे दिल्ली यूनिवर्सिटी को प्राथमिकता देते हैं, उसी प्रकार स्कूल स्तर पर भी दिल्ली सरकार के संस्थान गर्व और गुणवत्ता के प्रतीक बनें। मुख्यमंत्री ने सरकार के 100 दिन पूरे होने पर शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए ठोस कदमों को लेकर सभी अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन 100 दिनों में सरकार ने स्कूल प्रशासन, बुनियादी ढांचे, आधुनिक लाइब्रेरी, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल सुविधाओं और बहुभाषी शिक्षा के लिए नीतिगत फैसले लिए हैं ताकि दिल्ली के बच्चे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को सिर्फ परीक्षा परिणाम के आंकड़ों के लिए नहीं, बल्कि समग्र विकास के लिए तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने पिछली सरकारों की उस नीति की आलोचना की जिसमें कमजोर छात्रों को रिजल्ट सुधारने के लिए बीच में से हटा दिया जाता था। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार सभी बच्चों को साथ लेकर चलेगी, उन्हें समान अवसर देगी और जिन बच्चों को अधिक गाइडेंस की जरूरत है, उन्हें भी पूरा सहयोग मिलेगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि अगली बार दिल्ली के सरकारी स्कूल 100% परिणाम की दिशा में काम करें और कहा कि दिल्ली पूरे भारत में शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने, यही उनका लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से अपील की कि वे आगे भी कड़ी मेहनत करते रहे, अपने सपनों को साकार करें और समाज तथा देश की सेवा में अपना योगदान दें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने उपस्थित छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए सभी विद्यार्थियों की माताओं के योगदान को विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में जो भी छात्र सफलता की ऊँचाइयों को छू रहे हैं, उसके पीछे सबसे बड़ा योगदान उनकी माताओं का है। श्री सूद ने बताया कि दिल्ली में पिछले 27 वर्षों में सरकारी और निजी स्कूलों के बीच एक असंतुलन बन गया है लेकिन अब स्थिति बदल रही है। दिल्ली सरकार शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार ला रही है। इस वर्ष मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 75 नए सीएम श्री स्कूल खोले जाएंगे, जिनमें अत्याधुनिक सुविधाएं, अनुभव आधारित शिक्षा और भारतीय संस्कृति से जुड़े मूल्यों को शामिल किया जाएगा। इन स्कूलों को राष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार का संकल्प है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी वैसी ही सुविधाएं मिलें जैसी निजी स्कूलों में मिलती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि हर बच्चे को उसकी प्रतिभा के अनुसार अवसर मिले और शिक्षा के माध्यम से उसका भविष्य उज्जवल हो।

सम्पादकीय

शांति बहाली का प्रयास

मणिपुर में लंबे समय से शांति बहाली के प्रयास चल रहे हैं। वहां करीब दो वर्ष पहले मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव की शुरूआत के बाद हालात इस कदर बिगड़ गए कि उसे संभाल पाना राज्य की तत्कालीन सरकार के लिए संभव नहीं हुआ और इसी वजह से पूर्व मुख्यमंत्री एस बीरेन सिंह को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। पिछले तीन महीने से वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यों हिंसा और संघर्ष पर काबू पाने में नाकामी की वजह से पहले से ही वहां राष्ट्रपति शासन की मांग हो रही थी। विडंबना यह है कि आज भी मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव को खत्म करना और सर्वसम्मति से समाधान तक पहुंचना मुमकिन नहीं हो सका है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि वहां नई सरकार के गठन के लिए जो कवायद शुरू हुई है और किन्हीं हालात में यह संभव हो पाता है, तो क्या इससे मणिपुर की मौजूदा समस्या का कोई ठोस हल निकल सकेगा और क्या वहां हिंसा और टकराव का दौर खत्म हो पाएगा।

गौरतलब है कि मणिपुर में राजग के दस विधायकों ने राज्यपाल से मुलाकात कर चौवालीस विधायकों के समर्थन का हवाला देते हुए सरकार गठन की मांग की है। विधायकों के इस समूह ने सरकार गठन को जनता की इच्छा बताया। लेकिन अगर इन विधायकों के साथ कुकी समुदाय के दस विधायक नहीं हैं, तो ऐसे में इस समूह के पास राज्य की सबसे मुख्य समस्या से पार पाने के लिए क्या योजना और दृष्टि है। राज्य में नई सरकार बनाने के पक्ष में भाजपा सहित राजग के कई विधायक जरूर हैं, लेकिन भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अब भी सरकार के बनाने के दावों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वहीं केंद्र सरकार की ओर से मणिपुर में निकट भविष्य में राष्ट्रपति शासन नहीं हटाने की भी खबर आई है। ऐसे में नई सरकार के गठन की मांग के धरातल पर उतरने की उम्मीद फिलहाल आगे की बात लगती है। इसके बावजूद यह सच है कि मणिपुर में शांति बहाली और सामुदायिक टकराव के कारणों को दूर कर दूरगामी हल निकलना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए ही संभव है।

हालांकि मणिपुर में नई सरकार के गठन को लेकर चाहे जो भी कोशिशें चल रही हों, लेकिन फिलहाल सबसे जरूरी यह है कि वहां आम जनजीवन जिस अस्थिरता और आए दिन हिंसक सामुदायिक टकराव से दो-चार है, उसका कोई ठोस समाधान निकाला जाए। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर दो वर्ष पहले जिस हिंसा की शुरूआत हुई थी, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। आज भी आए दिन गोलीबारी या हिंसक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं। हैरानी की बात यह है कि राज्य से लेकर केंद्र सरकार के तमाम प्रयासों और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के दखल के बावजूद कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच ऐसी खाई बन गई है, जिसे पाटे बिना किसी दीर्घकालिक हल तक नहीं पहुंचा जा सकता। मगर दोनों समुदायों में परस्पर विश्वास बहाली को लेकर ऐसा कुछ भी नहीं किया गया, जो संवाद का कोई सार्थक पुल तैयार करे और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान निकालने की कोशिश हो। आज भी अगर मणिपुर का आम जनजीवन अस्थिर है, तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है? जाहिर है, नई सरकार के गठन के प्रयासों के समांतर जरूरत इस बात की है कि वहां संघर्षरत समुदायों के बीच विश्वास और संवाद कायम किया जाए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक अशोक कौशिक द्वारा फाल्गुन बुक्स एंड प्रिन्टर्स, ए-1/185 स्वदेशी कॉम्पलैक्स, कविनगर इंडस्ट्रीयल एरिया, गाजियाबाद- 201001 से छपवाकर 308 अंसल सुमैधा बिल्डिंग, आर.डी.सी. राजनगर गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : **अशोक कौशिक**
समाचार सम्पादक : **राकेश शर्मा**
कानूनी सलाहकार : राजकुमार शर्मा, प्रदीप त्यागी, विकास त्यागी
मो. : 9810149213
फोन : 0120-4113213
E-mail : hindatma@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गाजियाबाद होगा।

अंतर्राष्ट्रीय तंबाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष

विश्व की अपेक्षा भारत की स्थिति तंबाकू उपयोग में बहुत खराब है

नरेंद्र कुमार शर्मा,
राष्ट्र पुरस्कृत शिक्षक

विश्व तंबाकू निषेध दिवस की संकल्पना, प्रथम बार 1987 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों द्वारा की गई थी और इसका नाम दिया था 'विश्व धूम्रपान निषेध दिवस' परंतु अगले ही वर्ष एक प्रस्ताव के आधार पर इसका नाम 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' (एंटी टोबाको डे) तथा 31 मई का दिनांक निर्धारित किया गया। प्रतिवर्ष 31 मई को पूरे विश्व में 'तंबाकू निषेध दिवस' का आयोजन किया जाता है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा चलाया जाने वाला एक वैश्विक अभियान है। इस अभियान के माध्यम से लोगों में तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों तथा संभावनाओं के प्रति जागरूकता की जाती है। तंबाकू का प्रयोग कम करना भी, इस अभियान का एक उद्देश्य है।

प्रतिवर्ष कार्यक्रमों को संचालित करने के लिए-एक थीम 'ध्येय वाक्य' निर्धारित किया जाता है। वर्ष 2025 के लिए निर्धारित थीम है 'अपील का पदार्फाश' यहां अपील का तात्पर्य, तंबाकू उद्योग एवं तंबाकू उत्पादन करने वालों की नीति से है। तंबाकू उद्योग या तम्बाकू के उत्पादक समय-समय पर लुभावने, आकर्षक विज्ञापनों के द्वारा युवाओं को, किशोरों को तंबाकू सेवन के लिए उत्साहित करते हैं और तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव को छुपाते हैं। तंबाकू सेवन करने का व्यसन या लत प्रायः किशोर अवस्था से शुरू होती है। इस अवस्था में किशोर कुछ अलग दिखना चाहता है तो वह बहुत सरल सुलभ तंबाकू सेवन को ग्रहण कर लेता है। इसमें बीड़ी, सिगरेट, चिलम अथवा गुटका, खैनी से लेकर तम्बाकू के अर्क में कपडा भिगोकर चूसना, तंबाकू का नस्य (नाक से तम्बाकू सूंघना) तक आ जाते हैं। तंबाकू उद्योग बहुत ही स्वादिष्ट तथा मोहक फ्लेवर वाले सुंदर-सुंदर पाउच, बनाकर बाजार में उतारते हैं। प्रायः स्कूलों के आसपास, पार्कों के आसपास, स्टेडियम के इर्द-गिर्द इन पाउच को बिकवाने लगते हैं यद्यपि इनमें निकोटिन की मात्रा अधिक नहीं होती। परंतु बच्चे ने यदि एक बार इसका प्रयोग किया तो वह बार-बार इसे खाना चाहता है। इस की सुगंध का दीवाना हो जाता है और शीघ्र ही इसका अभ्यस्त हो जाता है और लंबे समय तक या जब तक वह बीमार ना पड़ जाए इसे त्यागने का मन नहीं बनाता। लेकिन तब तक उसके स्वास्थ्य का बहुत बड़ा नुकसान हो चुका होता है और तंबाकू या निकोटिन को छोड़ने में भी उसे कठिनाई होती है तो ऐसी भ्रामक नीतियों की सच्चाई बताने के लिए "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" का आयोजन किया जाता है।

इस दिन तंबाकू से होने वाले, जानलेवा रोगों यथा-मुंह का कैंसर, ग्रास नली का कैंसर, श्वास नली का कैंसर, फेफड़े का कैंसर, आमाशय का कैंसर, हृदय रोग, मानसिक एवं पक्षाघात, जोड़ों में दर्द, दांतों में दर्द, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता का गिरना, नपुंसकता, गर्भधारण में कठिनाई, गर्भवती महिलाओं में गर्भ असुरक्षा, गर्भपात आदि से मानव को परिचित कराया जाता है। तंबाकू उत्पादक तरह-तरह के मनोवैज्ञानिक प्रपंचों के द्वारा तंबाकू का प्रचार प्रसार करते हैं। सिनेमा के सितारों तथा नायिकाओं के द्वारा, खेल जगत के नायकों द्वारा तंबाकू के समर्थन में आकर्षक विज्ञापन देकर जनसाधारण को भ्रमित किया जाता है। प्रायः किशोर आयु तथा युवा इन विज्ञापनों से प्रभावित हो जाते हैं और तंबाकू के दुष्प्रभावों से अनजान रहते हैं। तंबाकू उत्पादक उद्योग तंबाकू की हानियों को छुपा लेते हैं। यद्यपि सरकार की ओर से काफी कुछ कठोरता बरती जाती हैं। अनेक प्रतिबंध लगाए जाते हैं परंतु उतना कठोरता से उनका पालन नहीं हो पाता। समय रहते इन उद्योगों से अपेक्षा की जानी चाहिए कि अपने उत्पाद को कम से कम हानिकारक बनाएं। लोगों को जागरुक करते हुए तंबाकू के पैकेट पर चेतावनी, बहुत स्पष्ट करें। सरकार को चाहिए कि तंबाकू और इसके उत्पादन पर शुल्क बढ़ाई जाएं, ताकि सामान्य आदमी की पहुंच से दूर हो सके।

विश्व की अपेक्षा भारत की स्थिति तंबाकू उपयोग में बहुत खराब है। विश्व में भारतवर्ष दूसरे नंबर का तंबाकू उपभोक्ता है और 2.53 मिलियन लोग तंबाकू का उपयोग यहां करते हैं। यहां 8.5% किशोर तंबाकू की लत का शिकार है। 4.1 प्रतिशत स्कूली बच्चे छात्र-छात्राएं किसी न किसी रूप में तंबाकू सेवन करते हैं। लगभग 13 लाख व्यक्ति प्रतिवर्ष तंबाकू के कारण मौत का शिकार होते हैं जो कि भयावह स्थित है। आज प्रगतिशील युग में तंबाकू का प्रयोग "स्तरीय पहचान" के रूप में भी बढ़ रहा है। लोग इसे "स्टेटस सिंबल" बनाकर भी चलते हैं। यह जहर जानबूझकर पीते हैं। कहीं ना कहीं यह बहुत हानिकारक है और इसका अप्रत्यक्ष सेवन भी अति दुष्प्रभावी है। परंतु क्या तंबाकू के दुष्प्रभावों को जानते हुए भी इससे बचने के उपाय नहीं किया जा सकते? यकीनन इससे बचने बचाने के उपाय पर चिंतन करना होगा। यदि निम्नलिखित बातों को तंबाकू सेवी अपने जीवन में उतारने की कोशिश करें तो तंबाकू को त्यागना संभव हो सकेगा।

- तंबाकू त्यागने के लिए दृढ़ संकल्प अथवा इच्छा शक्ति की आवश्यकता है।
- ऐसे स्थान का परित्याग करें जहां तंबाकू सेवन ज्यादा होता है।
- तंबाकू खाने-पीने अथवा सूंघने वाले लोगों को एक निश्चित समय पर इच्छा जागृत होती है। उसी समय तंबाकू के स्थान पर सौंफ, धनिया, चना, नारियल चूरा मुंह में डाल लें अथवा सूंघने के लिए कोई हानि रहित इत्र का प्रयोग किया जा सकता है।
- तंबाकू त्यागने के समय अपने प्रति ईमानदार बने रहें यदि आप तंबाकू त्याग करने में सफल है, तो स्वयं को पुरस्कृत करें और यदि आप सफल नहीं होते हैं, तो स्वयं को दंडित करें।
- निकोटीन रिप्लेसमेंट थैरेपी का प्रयोग करें।
- तंबाकू की इच्छा होने पर पानी पिए, कुछ चबैना खाएं।
- अपने तंबाकू त्याग का एक दिनांक निश्चित कर लें, और उसे एक महत्वपूर्ण दिवस की तरह मनाए।
- अपने आसपास के लोगों से, तंबाकू के दुष्प्रभाव तथा त्याग पर चर्चा अवश्य करें।
- तम्बाकू का त्याग करना, केवल एक शारीरिक क्रिया ही नहीं है, बल्कि सामाजिक भी है। इसमें व्यवहार थैरेपी भी महत्वपूर्ण है।
- तम्बाकू त्याग में, योग एवम ध्यान, दवाओं से ज्यादा लाभ कारी हैं।
- किसी मनोवैज्ञानिक से काउंसलिंग भी कराई जा सकती है।

उपरोक्त के अतिरिक्त यदि आप तंबाकू सेवी नहीं है, तो आप किसी तंबाकू सेवी को तंबाकू त्याग के लिए प्रेरित करें। मैं प्रायः निम्न आय वर्ग के लोगों यथा- धोबी, मोची, रिक्शा चालक, कामगार अथवा सब्जी विक्रेता को प्रेरित करता हूं। उनकी आय उनकी पारिवारिक जिम्मेदारी के साथ ही तंबाकू के भयावह परिणामों के प्रति उन्हें सचेत करता हूं। शुरू में तो सभी त्यागने को सहमत होते हैं परंतु दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में कुछ लोग फिर सेवन करने लगते हैं। यदि दो या तीन व्यक्ति भी मेरी बात स्थाई रूप से मान लेते हैं तो मुझे बहुत अच्छा लगता है और उनका, उनके परिवार का हित निश्चित होता है।

...तो आइये! आज हम किसी तंबाकू सेवी से तंबाकू त्यागने का अनुरोध करें। किसी के परिवार को तम्बाकू जनित रोगों से बचाने का प्रयास करें।

आपरेशन सिंदूर और शल्यवादी विपक्ष

राकेश सैन

महाभारत संग्राम में एक सिद्धांत निकल कर आया शल्यवाद। माद्रीपुत्र नकुल-सहदेव के मामा माद्रा (मद्रदेश) के राजा शल्य थे। महाभारत में पाण्डवों के पक्ष में युद्ध करने आए शल्य का दिल अतिथि सत्कार से जीत कर दुर्योधन ने छल से उन्हें अपने खेमे में कर लिया। उन्होने कर्ण का सारथी बनना स्वीकार किया और कर्ण की मृत्यु के पश्चात युद्ध के अंतिम दिन कौरव सेना का नेतृत्व भी किया और युधिष्ठिर के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए। वे कर्ण के सारथी तो बन गये किन्तु उन्होंने युधिष्ठिर को यह भी वचन दिया कि वे चाहे खड़े कौरव सेना के साथ दिखेंगे परन्तु युद्ध पाण्डवों के पक्ष में ही लड़ेंगे। इसके लिए उन्होंने अपने वचनों से कौरवों को ही हतोत्साहित करना शुरू किया। अपने ही लोगों का मनोबल तोडऩे की नीति शल्यवाद कहाती है। वर्तमान में आपरेशन सिंदूर के बाद भारत का विपक्ष भी इसी शल्यवादी की नई परिभाषा लिखता दिखाई दे रहा है। भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाए आपरेशन सिंदूर के दौरान विपक्षी दलों ने चाहे देश व सरकार के साथ एकजुटता जताने की बात कही परन्तु पूरे आपरेशन के दौरान विपक्षी नेताओं की कंटीली जिव्हा देश को मर्माहत करती रही।

आपरेशन सिन्दूर को लेकर सरकार को समर्थन देने वाली कांग्रेस ने आपरेशन के स्थगित होने के बाद जो कुछ कहा है वह सबकुछ उसकी एकजुटता की प्रतिबद्धता के विपरीत दिखाई देता है। आपरेशन स्थगित होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जो कहा है वह दुश्मन देश को सांत्वना देने वाला था। इसलिए वहां के मीडिया ने उसे हाथों हाथ लपका। खड्गे ने ऑपरेशन सिन्दूर को एक छोटी-मोटी झड़प बताया वहीं राहुल गांधी ने विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री द्वारा आपरेशन सिन्दूर को लेकर दिये बयानों पर पलटवार करते हुए जो कहा उससे उनकी अपनी और

कांग्रेस पार्टी की छवि ही कमज़ोर हुई। कांग्रेस नेता ने ह्यऑपरेशन सिन्दूर के संदर्भ में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की एक कथित टिप्पणी को लेकर कहा कि यह पाप है और सिन्दूर का सौदा है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा विदेश मंत्री को जवाब देना चाहिए। राहुल ने तो यहां तक पूछा कि हमने कितने भारतीय विमान गंवा दिए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से पता था। उन्होंने कहा कि देश को सच जानने का पूरा हक है। कांग्रेस और राहुल गांधी ने जयशंकर के एक बयान का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया है कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमलों से पहले, भारत सरकार ने पाकिस्तान को इस बारे में सूचित किया था। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने इस तरह के दावों को गलत बताया था कि विदेश मंत्री जयशंकर ने सात मई को ऑपरेशन सिन्दूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सुचेत किया था। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत अहम है, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने के लिए मध्यस्थता की। ट्रंप ने एक बहुत खौफनाक बात यह भी बोली कि उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवाया। यानी सिन्दूर का सौदा होता रहा, प्रधानमंत्री चुप रहे। विदेश मंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा है। ऑपरेशन सिन्दूर के स्थगित होने के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र बीकानेर के पलाना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और यह कीमत पाकिस्तान की सेना और उसकी अर्थव्यवस्था चुकाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पाकिस्तान के साथ न ट्रेड होगा, न टॉक, अब तो सिर्फ पीओके पर बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार पाकिस्तान को सीधे चेताया और भविष्य में आतंकी गतिविधियों पर आरपार का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने नाल एयरबेस को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी परन्तु वह इस एयरबेस को रत्तीभर भी नुकसान नहीं पहुंचा पाया। पाकिस्तान एक बात भूल गया कि अब मां भारती का सेवक मोदी यहां सीना तानकर खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मोदी का दिमाग ठंडा रहता है, लेकिन लहू गर्म रहता है और अब तो मोदी की नसों में गर्म सिंदूर बह रहा है। उन्होंने साफ कहा कि भारतीयों के खून से खेलना पाकिस्तान को अब महंगा पड़ेगा।

अलग हुए ट्रंप और मस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और उनके प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) अर्थात प्रशासनिक दक्षता विभाग के मुखिया एलन मस्क ने अपने पद को छोड़ने का ऐलान कर दिया है। वैसे भी इस पद पर उनकी नियुक्ति मई के आखिरी तक ही थी, क्योंकि उन्हें 'विशेष सरकारी कर्मचारी' का दर्जा मिला था जिसके तहत हर साल 130 दिनों तक उन्हें संघीय नौकरी में रहने की इजाजत थी। मस्क चाहते तो इस साल की मियाद पूरी कर, अगले साल फिर से इस विशिष्ट सरकारी नौकरी में आने की घोषणा कर सकते थे। पाठकों को याद होगा कि जब ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तो किस तरह एलन मस्क ने लगभग झूमते हुए, छोटे बच्चे को कंधों पर बिठाकर उनके सत्ता में लौटने पर खुशी का इजहार किया था। इसके बाद कई अवसरों पर मस्क अपने बच्चे के साथ ट्रंप के साथ नजर आए, यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति के ओवल ऑफिस में भी जूनियर मस्क ने ट्रंप को यह कह दिया था कि ये मेरे पापा का ऑफिस है। लेकिन हाल की कुछ घटनाओं में सामने आया कि डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के परस्पर संबंधों में कुछ तनाव बढ़ा है। और पहले जैसी गर्मजोशी और शायद विश्वास की बात अब नहीं रही, इसलिए ट्रंप से मस्क ने किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मस्क ने लिखा, 'विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा तय समय पूरा होने पर, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे फालतू खर्च को कम करने का मौका दिया। बताया जा रहा है कि पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन द्वारा लाए बजट विधेयक में

मस्क को खामियां दिखी थीं, जिसका खुला इजहार उन्होंने किया था। बहुत कम अंतर के साथ यूएस हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव्स ने बजट विधेयक पास किया है, अब यह सीनेट के पास जाएगा। इस विधेयक पर मस्क की राय थी कि इससे संघीय घाटा बढ़ेगा। मस्क के मुताबिक ये विधेयक डीओजीई में किए जा रहे कामों को कमजोर करता है। जबकि इस बजट विधेयक को ट्रंप ने बड़ा और सुंदर बताया था, इस पर मस्क ने कहा था कि यह बिल बड़ा या सुंदर हो सकता है? मुझे नहीं पता कि ये दोनों हो सकता है। दरअसल विधेयक में चार ट्रिलियन डॉलर के कर्ज की सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है जिसका मतलब है कि अपने खर्चों के लिए सरकार अधिक कर्ज ले सकती है, मस्क इससे असहमत हैं। उनके इस बयान के बाद से ही लगने लगा था कि ट्रंप प्रशासन और एलन मस्क के बीच दूरियां बढ़ने लगी हैं। लेकिन ये अकेला मामला नहीं है। जिस तरह से मस्क ट्रंप प्रशासन पर हावी हो रहे थे, उससे दूसरे मंत्रियों को उलझन होने लगी थी। खासकर कर्मियों की छंटनी और खर्च कम करने को लेकर मस्क दूसरे मंत्रियों से उलझते रहे। मस्क ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर विदेश विभाग में पर्याप्त स्टाफ की कटौती करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसी तरह एलन मस्क की परिवहन मंत्री सीन डफी के साथ भी बहस हुई क्योंकि डीओजीई ने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रैफिक कंट्रोलर्स की संख्या कम करने की कोशिश की, जबकि उनकी संख्या पहले से ही कम है। इस तरह के वाकयों के बाद ट्रंप को डीओजीआई की शक्तियों को परिभाषित करना पड़ा। ट्रंप ने साफ कर दिया कि अब से फैसला लेने का काम मंत्रियों के पास ही होगा और मस्क की टीम का काम सिर्फ सलाह देना होगा। ये सीधे-सीधे मस्क को मिली व्यापक शक्तियों को कम करने का कदम था। दरअसल डीओजीआई में मस्क की मनमानी दिखने लगी थी, चाहे विवेक रामास्वामी को बाहर करना हो या देश के लाखों संघीय कर्मचारियों को आधिकारिक सरकारी अकाउंट ईमेल भेज कर पेशकश करना कि उन्हें इस्तीफे. के बदले कई महीनों का वेतन (एकमुश्त रकम) दिया जाएगा। डीओजीआई की तरफ से कर्मचारियों को यह भी निर्देश गया कि वह बताएं कि उन्होंने सप्ताहभर में क्या काम किया। ऐसा न करने पर उन्हें नौकरी से निकालने की बात की गई थी। डीओजीई ने कई ऐसे नवनियुक्त सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का भी आदेश दिया, जो प्रोबेशन पर थे और जिन्हें पूर्ण सिविल सेवा सुरक्षा नहीं मिली थी। हालांकि ऐसे आदेशों को कुछ सरकारी एजेंसियों ने मानने से इंकार कर दिया था, क्योंकि उन्हें कर्मचारियों की जरूरत है। मस्क को साथ जोड़ने पर ट्रंप प्रशासन को बड़ा नुकसान तब भी हुआ जब अमेरिकी सरकार की प्रमुख विदेशी सहायता एजेंसी यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डिवेलपमेंट (यूएसएड) को बंद करके उसे विदेश मंत्रालय में शामिल करने ऐलान किया गया। मस्क तो सीधे तौर पर यूएसएड को 'एक आपराधिक संगठन' और 'कट्टर वामपंथी राजनीतिक मनोवैज्ञानिक अभियान' मानते हैं। लेकिन उनकी निजी राय ने बरसों से अमेरिका की इस कूटनीतिक पहल को नुकसान पहुंचाया।

Name Change

I, Tarun Rai S/o Vinit Rai Agarwal, R/o J-22, Govind Puram, Ghaziabad, have changed my daughter's name from Chetali to Krishvi Agarwal for all future purposes.

Name Change

I HAVE changed my name from Sarita Kumari to Sarita Devi W/o Anil Kumar R/o Plot NO.-82, Basant Kunj, Freehold, Guldhar-2, Ghaziabad forever.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या- डी-138, सै0-04, लाजपतनगर, गाजियाबाद श्री वीर बहादुर सिंह जोहरी पुत्र श्री लाल बहादुर जोहरी को आवंटित है। आवंटी द्वारा श्रीमती कृष्णा शर्मा पत्नी श्री कर्मपाल शर्मा को मु०आम नियुक्त किया गया है। मु०आम श्रीमती कृष्णा शर्मा पत्नी श्री कर्मपाल शर्मा द्वारा मूल आवंटी श्री वीर बहादुर सिंह जौहरी पुत्र स्व० श्री लाल बहादुर जौहरी के पक्ष में दिनांक 06.12.2005 रजिस्ट्री निष्पादित करायी गयी है। तत्पश्चात मु०आम श्रीमती कृष्णा शर्मा पत्नी श्री कर्म पाल शर्मा द्वारा श्रीमती मीना सिंह पत्नी श्री जसवीर सिंह को दिनांक 09.03.2008 विक्रय किया गया है। अब वर्तमान केता श्रीमती मीना सिंह द्वारा नियमानुसार शपथ पत्र, रजिस्ट्री की प्रति एवं पहचान पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करतें हुए नामदर्ज हेतु अनुरोध किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करा दें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण के अभिलेखों में मूल आवंटी के स्थान पर वर्तमान क्रेता का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति जोन-7
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भवन संख्या- डी-103, सै0-04, लाजपतनगर, गाजियाबाद कु० बलबीर कौर पुत्री श्री हरभजन सिंह को आवंटित है। आवंटी द्वारा श्री अनिल कुमार गुप्ता पुत्र श्री शिव कुमार गुप्ता को मु०आम नियुक्त किया गया है। मु०आम श्री अनिल कुमार गुप्ता पुत्र श्री शिव कुमार गुप्ता द्वारा मूल आवंटी कु० बलबीर कौर पुत्री श्री हरभजन सिंह के पक्ष में दिनांक 01.04.2008 रजिस्ट्री निष्पादित करायी गयी है। तत्पश्चात मु०आम श्री अनिल कुमार गुप्ता पुत्र श्री शिव कुमार गुप्ता द्वारा श्री रविन्द्र सिंह पुत्र श्री आलम सिंह को दिनांक 05.07.2010 विक्रय किया गया है। तदोपरान्त श्री रविन्द्र सिंह पुत्र श्री आलम सिंह द्वारा श्रीमती प्रियंका पत्नी श्री सौरभ राठी को दिनांक 17.01.2025 विक्रय किया गया है। अब वर्तमान क्रेता श्रीमती प्रियंका द्वारा नियमानुसार शपथ पत्र, रजिस्ट्री की प्रति एवं पहचान पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुए नामदर्ज हेतु अनुरोध किया गया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करा दें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण के अभिलेखों में मूल आवंटी के स्थान पर वर्तमान क्रेता का नाम दर्ज कर लिया जायेगा।

सहायक प्रभारी सम्पत्ति जोन-7
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय/वाणिज्यिक/किराये की/नजूल इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र0 सं0	मूल आवंटी/ पट्टाधारक स्वामी का नाम	भूखण्ड/ भवन/फ्लैट संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	पट्टेदार श्री विनोद कुमार पुत्र श्री खुशीराम एवं श्रीमती आशा शर्मा पत्नी श्री विनोद कुमार	भवन संख्या- 64B शिप्रा सनसिटी	इन्दिरापुरम	श्रीमती आशा शर्मा पत्नी स्व. श्री विनोद कुमार	निवासी- RZ-21, नत्थू राम पार्क तहसील रोड, नजफगढ़, साउथ वेस्ट दिल्ली, दिल्ली-110043 मो-9971490466	सह-पट्टेदार श्री विनोद कुमार पुत्र श्री खुशीराम की मृत्यु दिनांक 14.09.2013 को हो जाने के कारण	पट्टाधृत सम्पत्ति

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के अन्तरण/नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर सचिव, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता/सकती है, अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अंतरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जाएगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सहायक प्रभारी व्यवसायिक, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
विकास पथ गाजियाबाद
सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की आवासीय योजना के अन्तर्गत स्थित है। भवन संख्या ई-1/13ए, ई.डब्लू.एस., मधुबन बापूधाम, गाजियाबाद का आवंटन श्री शंकर लाल पुत्र श्री कालू राम के पक्ष में किया गया था, आवंटी द्वारा अपनी मृत्यु से पूर्व भवन की बाबत श्री सतेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री श्रीराम अग्रवाल के पक्ष में पंजीकृत वसीयत दिनांक 05.11.2014 को निष्पादित करायी गयी थी, जो उप निबन्धक द्वितीय गाजियाबाद के कार्यालय में पंजीकृत है, तत्पश्चात आवंटी श्री शंकर लाल पुत्र श्री कालू राम की दिनांक 15.12.2015 को मृत्यु हो चुकी है। एवं वसीयत प्राप्तकर्ता श्री सतेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा उक्त पंजीकृत वसीयत के आधार पर नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्र0 सं0	मूल आवंटी/ पट्टाधारक का नाम	भवन संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	श्री शंकर लाल पुत्र श्री कालू राम	ई-1/13ए	मधुबन बापूधाम	श्री सजेन्द्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री श्रीराम अग्रवाल	पी-60ए, सै.-23, संजयनगर, गाजियाबाद 9911550450	कॉलम संख्या-2 के आवंटी श्री शंकर लाल की मृत्यु उपरान्त वसीयत प्राप्तकर्ता का नाम दर्ज किये जाने हेतु	पट्टाधृत सम्पत्ति

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भवन के नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर प्रभारी सम्पत्ति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता/सकती है, अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नहीं किया जाएगा।

सहायक प्रभारी सम्पति, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

भारत के 14 वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने स्वामी चिदानन्द सरस्वती के पावन सान्निध्य में धर्मगुरुओं, धार्मिक संगठनों और यूनिसेफ के प्रतिनिधियों से की भेंटवार्ता

भारत की प्रथम राष्ट्रीय बहुधर्मी समन्वय समिति की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न

हिन्द आत्मा संवाददाता

ऋषिकेश। भारत के 14वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी विगत तीन दिनों से परमार्थ निकेतन की यात्रा पर हैं। इस अवसर पर परमार्थ निकेतन में स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, बाल संरक्षण और शिक्षा पर गहन चिंतन मंथन हेतु राष्ट्रीय बहुधर्मी समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें भारत के विभिन्न धर्मों के धर्मगुरूओं व आध्यात्मिक पृष्ठभूमि के प्रतिनिधियों ने सहभाग किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती के पावन सान्निध्य में धर्मगुरुओं, धार्मिक संगठनों के प्रमुखों और यूनिसेफ के प्रतिनिधियों ने भारत के 14 वें राष्ट्रपति, रामनाथ कोविंद से भेंटवार्ता की। इस कार्यक्रम के माध्यम से बहुधर्मी, बहुसांस्कृतिक समाज में सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करते हुए स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, बाल संरक्षण एवं शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया और एक बहुधर्मी संगठन समिति का गठन भी किया गया। परमार्थ निकेतन में भारत की प्रथम राष्ट्रीय बहुधर्मी समन्वय समिति की बैठक भी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह समिति विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर सामूहिक प्रयासों के माध्यम से राष्ट्रीय हितों एवं सामाजिक कल्याण के लिए आगे भी काम करेगी। बैठक में शामिल सभी सदस्यों ने देश के सामाजिक ताने-बाने में बहुधर्मी एकता की आवश्यकता पर जोर दिया और ऐसे कार्यों पर चर्चा की जो समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक स्वास्थ्य, शिक्षा और संरक्षण के संदेश पहुंचा सकें।

भारत की संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है यहाँ की 'अनेकता में एकता'। धर्म, भाषा, वेशभूषा, रीति-रिवाजों की विविधता के बावजूद हमारा देश एकजुट है और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। इस बैठक में भी यही भावना दिखाई दी, जहाँ विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं ने मिलकर देश के कल्याण के लिए साझा सोच और साझा कार्य की प्रतिबद्धता जताई। स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि धर्म केवल आध्यात्मिक अभ्यास नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी मार्ग जब हम सभी धर्मों के प्रतिनिधि मिलकर समाज सेवा के लिए कार्य करते हैं, तब न केवल धार्मिक सौहार्द बढ़ता है, बल्कि समाज की समग्र प्रगति भी सुनिश्चित होती है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि भारत की ताकत इसकी विविधता में निहित है। विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों का समन्वय ही हमें विश्व के सामने एक अनूठा और अद्भुत बनाता है। आगे भी हमें इस समरसता को और मजबूत बनाना है ताकि प्रत्येक नागरिक को न्याय, समानता और विकास के अवसर मिल सकें। राष्ट्रीय बहुधर्मी समन्वय समिति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो देश के सामाजिक ताने-बाने को और अधिक सशक्त बनाएगी।

यूनिसेफ के प्रतिनिधियों ने बाल संरक्षण, पोषण और शिक्षा के क्षेत्र में चल रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी और साथ ही बताया कि किस प्रकार बहुधर्मी समन्वय के माध्यम से इन कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। बच्चों का संरक्षण और उनका सर्वांगीण विकास आज की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, और इसके लिए सभी समुदायों का सहयोग अनिवार्य है। स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, बाल संरक्षण और शिक्षा जैसे विषयों पर हुई गहन चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि समाज के प्रत्येक वर्ग, हर धर्म और संगठन को मिलकर काम करना होगा। स्वच्छता अभियान, स्वस्थ जीवनशैली, बाल संरक्षण के लिए जागरूकता, एवं सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, ये ऐसे उद्देश्य हैं जिनमें राष्ट्रीय बहुधर्मी समन्वय समिति अग्रणी भूमिका निभा सकती है। इस बैठक के सफल समापन के बाद सभी प्रतिनिधियों ने एक साझा संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया है कि वे सभी मिलकर देश के प्रत्येक हिस्से में स्वास्थ्य, शिक्षा और बाल संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करेंगे। साथ ही सामाजिक सद्भाव और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष कदम उठाए जाएंगे। यह आयोजन न केवल भारत के सामाजिक ताने-बाने में 'अनेकता में एकता' के संदेश को पुनः स्थापित करता है, बल्कि विश्व के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत है। भारत का यह बहुधर्मी मॉडल यह दशार्ता है कि कैसे विभिन्न मत और विचारों के बीच संवाद, समझ और सहयोग से एक समृद्ध, सशक्त और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण संभव है। रामनाथ कोविंद, स्वामी चिदानन्द सरस्वती और सभी धर्मगुरूओं ने मिलकर दीप प्रज्वलित कर अपने संकल्प को दोहराया और इस कार्यक्रम के समापन अवसर पर रूद्राक्ष का हरित पौधा भेंट किया।

स्थानीय विधायक मंजू शिवाच ने किया मंडी समिति कोटे से कराए जा रहे विकास कार्य का उद्घाटन

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। विधान सभा क्षेत्र स्थित गाँव चुड़ियाला के पास लाखों रुपए की लागत से बनने वाली डामर सड़क का स्थानीय विधायक मंजू शिवाच ने ग्रामीणों की उपस्थिति में किया उद्घाटन। भोजपुर ब्लॉक स्थित ग्राम चुड़ियाला में मंडी समिति मुरादनगर के कोटे से 60 लाख रुपये की लागत से बनने वाली डामर सड़क का शिलान्यास मोदीनगर विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच एवं भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने किया। बताया गया कि इस सड़क के बन जाने से ग्राम चुड़ियाला सहित गांव डीलना, तलेहटा आदि गांवो को जाने में बड़ी आसानी होगी। इस अवसर पर मौजूद रहे मुख्य लोगों में ग्राम प्रधान सरिता गुर्जर एवं अमित प्रधान, करणवीर प्रधान, संजय भदोला, सुभाष आदि ने विधायक मंजू सिवाच सहित मंडी समिति अधिकारियों को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।

आर्यन कुमार की जबरदस्त डेब्यू फिल्म 'नफरतें' का दमदार पोस्टर हुआ रिलीज, दिखा इंटेंस अंदाज

हिन्द आत्मा संवाददाता

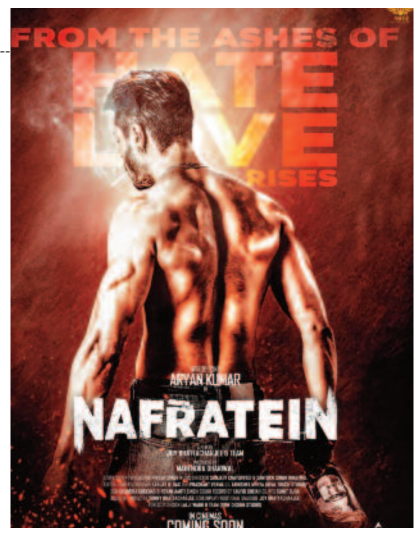

नई दिल्ली। इस हफ़्ते अपकमिंग फिल्म नफरतें का पोस्टर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर सनसनी फैल गई। पोस्टर में डेब्यू कर रहे आर्यन कुमार एक बेहद तीखे और रौबदार लुक में नजर आ रहे हैं- कैमरे की तरफ उनकी उभरी हुई पीठ, मुंह में सुलगती सिगरेट, और फ्रेम के आग जैसे रंगों में उभरता गुस्सा-सब मिलकर एक जबरदस्त प्रभाव छोड़ते हैं। टैगलाइन 'नफरत की राख से, मोहब्बत उठती है' फिल्म के दिल में छिपे भावनात्मक संघर्ष की झलक देती है। नफरतें से आर्यन कुमार बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं, और उनके इस प्रभावशाली लुक ने पहले ही फैन्स और सिनेप्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फिल्म में आर्यन के अपोज़िट नजर आएंगी एक्ट्रेस तनिष्क तिवारी। फिल्म का निर्देशन जॉय भट्टाचार्य और उनकी टीम ने किया है, जबकि निर्माण महेंद्र धारीवाल ने किया है- जो भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक जाना-पहचाना नाम हैं। पोस्टर से यह साफ है कि फिल्म एक रॉ और ग्रिट्टी एक्शन ड्रामा होगी, जिसमें बदले, बदलाव और भावनात्मक उथल-पुथल जैसे गहरे विषयों को छुआ जाएगा। फिल्म का संगीत संजीव चतुर्वेदी ने दिया है और पूरी टीम इस प्रोजेक्ट को एक यादगार सिनेमाई अनुभव बनाने की दिशा में काम कर रही है। 'नफरतें' इस गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। सिर्फ पोस्टर से ही जिस तरह का क्रेज बना है, वह आर्यन कुमार की डेब्यू फिल्म और 'नफरतें' की संभावनाओं को लेकर उत्सुकता को दर्शाता है। अगर फिल्म ने अपने विजुअल वादों को निभाया, तो यह नया सितारा इंडस्ट्री में तहलका मचा सकता है।

गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर पंजाबी मंच ने ठंडा शरबत छबील लगाकर की क्षेत्रवासियों की सेवा

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। पंजाबी मंच मोदीनगर की ओर से श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर तेजिंदर सिंह गांधी एवं कालू खुराना के प्रतिष्ठान के सामने एक छबील का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने करते हुए राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाकर अपनी सेवाएं भी छबील में दी। शुक्रवार को पंजाबी मंच मोदीनगर द्वारा तेजेंद्र सिंह गांधी तथा कालू खुराना की दुकान के सामने बड़े स्तर पर ठंडे शरबत का भंडारा आयोजित किया। जिसका उद्घाटन रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पंजाबी मंच से जुड़े सदस्यों द्वारा रामपाल चौधरी का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर रामपाल चौधरी द्वारा राहगीरों को जल सेवा भी प्रदान की गई। ठंडे शरबत भंडारे के दौरान जहां पंजाबी समाज एवं मंच से जुड़े लोगों ने भारी संख्या में अपना सहयोग दिया वही इस भीषण गर्मी के मौसम में अनेकों शहर वासियों एवं राहगीरों ने ठंडे शरबत से अपनी प्यास बुझाई। छबील का आयोजन में मुख्य रूप से पंजाबी मंच के

अध्यक्ष राजकुमार खुराना, सचिव सुनील चावला, समाजसेवी राजीव खुराना, संस्था सलाहकार डॉ० जी.एस.सचदेवा, कोषाध्यक्ष छबील चावला, गुरबीर गांधी, कालू खुराना, पवन कुमार, संजीव अरोड़ा बंटी, राजेश अरोड़ा, संजीव चौधरी, अमित टंडन, अनिल अरोड़ा, जेपी भूटानी, योगेश मल्होत्रा उर्फ गुल्ला भाई, ईविंदर गांधी, राजेंद्र सिद्धवानी, लाहड़े भाई हरीश खुल्लर, विनय ढींगरा, अनुराग सैनी, मनमोहन पसरिचा, जितेंद्र मल्होत्रा, सन्नी भूटानी, राधे सिधवानी, सोनू शर्मा आदि का विशेष योगदान रहा।

श्री अम्बे माताजी मंदिर मदुराई के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन हुए अनेक धार्मिक आयोजन

जगतजननी अम्बे माता की महिमा अपरम्पार है: श्रीमहंत नारायण गिरि

हिन्द आत्मा संवाददाता

मदुराई। श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री अम्बे माताजी मंदिर के तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में दूसरे दिन अनेक धार्मिक आयोजन हुए। महोत्सव में सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर महादेव मंदिर गाजियाबाद के पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। महोत्सव में दूसरे दिन दूसरे दिन देव पूजन, अग्नि स्थापन, हवन, मूर्ति विभिन्न अधिवास, स्नपन, देवनगर भ्रमण, शयाधिवास, रात्रि में भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायकों ने भजनों से सभी को भाव-विभोर कर दिया। महाराजश्री ने कहा कि जगतजननी अम्बे माता की महिमा अपरम्पार है। उनकी पूजा-अर्चना करने से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और मां की कृपा से जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि व खुशहाली बनी रहती है। मां बहुत ही दयालु हैं और अपने बच्चों भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तैयार रहती हैं और उन पर कोई कष्ट नहीं आने देती हैं। महाराजश्री ने संतों व आचार्यो के साथ मुलाकात कर धर्म चर्चा की। हजारों भक्तों को उन्होंने अपना आशीर्वाद भी प्रदान किया। सभी धार्मिक आयोजन स्वामी गणेश की देखरेख में श्री श्री 1008 मंगलाई नाथ महाराज मठ सुराणा के पावन सानिध्य में हो रहे हैं। संत राजराम संत कृपा राम महंत बाबू गिरि महाराज, महंत प्रेम भारती महाराज, महंत वल्लभ गोविंद दास महाराज, महंत शिव गिरि महाराज, महंत भीम गिरि महाराज, महंत जगदीश दास महाराज, महंत काशीनाथ महाराज आदि संत भी मौजूद रहे। श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष मोहनलाल चौधरी, उपाध्यक्ष हुकुम सिंह दहिया व जामत राज सुंदेशा, महामंत्री पुनभाराम प्रजापत, सचिव रमेश कुमार रावल व मादाराम चौधरी, कोषाध्यक्ष बाबूलाल कुमावत, श्री मदुराई राजस्थानी सेवा समाज सभा के अध्यक्ष जुहार सिंह चौहान, उपाध्यक्ष तेजारात सुथार, जीणाराम प्रजापत, महासचिव छैल सिंह दहिया, सह सचिव ओमप्रकाश चौधरी, अमराराम देवासी, कोषाध्यक्ष गुमानाराम चौधरी, सह कोषाध्यक्ष वगतावर सिंह देवडा, हंजाराम माली, प्रचार मंत्री रमेश कुमार घांची, बाबू सिंह परिहार, पूर्व अध्यक्ष गोविंद राम रावल, धन सिंह दहिया, गोक सिंह परमार, गंगा सिंह सिंधल, नवरत्न सोनी आदि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में विशेष सहयोग दे रहे हैं।

भीषण गर्मी में आपकी यात्रा को सुखद बना रही वातानुकूलित नमो भारत ट्रेन, सिलेक्टिव डोर ओपनिंग के साथ होगी ऊर्जा की भी बचत

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। यात्रियों को सुविधाजनक व आरामदायक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य के साथ नमो भारत परियोजना के कार्यान्वयन में अनेक अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है इसी शृंखला में 'सिलेक्टिव डोर ओपनिंग' भी शामिल है इस अद्भुत तकनीक से नमो भारत के दरवाजे पैसेंजर कंट्रोल मोड (पुश बटन डोर ओपनिंग) में चलते हैं जिस से न केवल भीषण गर्मी के दौरान ट्रेन में पर्याप्त ठंडक भी बनी रहती है बल्कि ऊर्जा की बचत भी होती है ट्रेन में वातानुकूलन तकनीक ऐसी है कि भीषण गर्मी में भी यात्रियों को गर्मी का अहसास नहीं होता।

नमो भारत में वातानुकूलित हवा को बचाए रखने के लिए ट्रेन के दरवाजे पैसेंजर कंट्रोल मोड (पुश बटन डोर ओपनिंग) में चलते हैं यानी हर स्टेशन पर दरवाजे खुद नहीं खुलते, बल्कि उन्हें खोलने के लिए यात्री को ही पुश बटन दबाना होता है। देश में ऐसी प्रणाली पहली बार केवल नमो भारत ट्रेन में ही इस्तेमाल की जा रही है। इसका फायदा एसी मोटर और कंप्रेसर को मिलता है। हर स्टेशन पर सभी दरवाजे खुलने से ऊर्जा तो खर्च होती ही है, साथ ही कोच की अंदर की वातानुकूलित हवा भी बाहर जाती है। ऐसे में कोच को फिर से ठंडा करने के लिए कंप्रेसर पर दबाव पड़ता है। वर्तमान के जलवायु परिदृश्य को देखते हुए नमो भारत ट्रेन के एसी सिस्टम को उन्नत तकनीक की मदद से तैयार किया गया है। एक कोच में दो एसी यूनिट लगी हैं जिससे तपती गर्मी में भी ट्रेन के अंदर का तापमान ठंडा ही रहता है। इसके अलावा यात्रियों को आरामदायक अनुभव प्रदान करने के लिए हर ट्रेन के कोच का तापमान करीब 25 डिग्री सेल्सियस रखा जाता है। हालांकि इसे मौसम के हिसाब से बदला भी जाता है। गर्मी, सर्दी और मॉनसून आदि में जरूरतानुसार ट्रेन के भीतर के तापमान में परिवर्तन किया जा सकता है। नमो भारत ट्रेन का एसी सिस्टम कूलिंग संबंधी सभी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। दरअसल, सड़क यात्रियों को न सिर्फ गर्मी का बल्कि धूल आदि का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में पूरी तरह से वातानुकूलित नमो भारत ट्रेनें एक वरदान साबित होती हैं। सिर्फ स्कूल कॉलेज जाने वाला युवा वर्ग ही नहीं, नौकरीपेशा लोग, महिलाएं और वृद्धजन भी तपते मौसम में नमो भारत की सवारी कर गर्मी से निजात पा सकते हैं। एसी सिस्टम का रखरखाव करते हुए समय-समय पर इसकी जांच होती है। एसी फिल्टर भी तय समय पर साफ किए जाते हैं। नमो भारत ट्रेन के प्लेटफॉर्म और स्टेशन इस तरह से डिजाइन किए गए हैं जो खुले और हवादार हैं। ऐसे में ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर भी गर्मी कम महसूस होती है। वहीं, प्रीमियम लाउंज में यात्रियों को ठंडी हवा देने के लिए बड़े पंखे भी लगाए गए है। इसके अलावा स्टेशन पर साफ और शुद्ध पेयजल की सुविधा भी मुफ्त में यात्रियों को दी जा रही है। वर्तमान में नमो भारत ट्रेन सेवाएं दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक 55 किलोमीटर के खंड में संचालित हैं। इस खंड में न्यू अशोक नगर, आनंद विहार (भूमिगत), साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदी नगर साउथ, मोदी नगर नॉर्थ और मेरठ साउथ कुल 11 स्टेशन शामिल हैं। दिल्ली-मेरठ के पूरे कॉरिडोर को इसी वर्ष संचालित करने का लक्ष्य है।

आर्य समाज मोदीनगर द्वारा शिविर का समापन रविवार को पथसंचलन कार्यक्रम के पश्चात होगा

हिन्द आत्मा संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर के डॉ० के०एन०मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज प्रांगण में पिछले कई दिनों से आर्य समाज संस्था द्वारा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन एकत्रिकरण व पथसंचलन कार्यक्रम के पश्चात रविवार को होगा। रविवार को आर्य समाज मोदीनगर अध्यक्ष एवं सिविर संयोजक डॉ. पवन सिंघल ने आर्य समाज द्वारा संचालित शिविर के बारे में जानकारी देते हो बताया कि पथ संचलन का प्रारम्भ रविवार को शाम 4:00 बजे डॉ० के०एन०मोदी साइंस एंड कामर्स कालेज मोदीनगर से प्रारम्भ होकर मोदी मंदिर से होते हुए राज चौराहा, नार्थ मैट्रो स्टेशन से होते हुए डॉ० के०एन० मोदी साइंस एंड कामर्स कालेज पर वापस पहुंच कर होगा। जिसमें आर्य समाज से जुड़े पदाधिकारी एवं कार्य सेवक बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

300वीं जयंती पर भव्य समारोह, नारी उत्थान और समाज सेवा के लिए जीवन समर्पित किया

अहिल्याबाई होल्कर की प्रेरणा से राष्ट्र निर्माण की नई कहानी लिख रहा भारत: गजेंद्र सिंह शेखावत

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर के विचार और जीवन आज भी देश को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उन्हीं के पदचिह्नों पर चलते हुए अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सेवा और सम्मान पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन महापौर सुनीता दयाल की अध्यक्षता में नेहरू नगर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में नगर निगम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जहां भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे, वहीं बड़ी संख्या में नगर निगम के अधिकारी और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि 300 वर्ष बाद भी यदि हम अहिल्याबाई होल्कर और महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों को याद कर रहे हैं, तो यह उनकी अमर चेतना का प्रमाण है। अहिल्याबाई ने विपरीत परिस्थितियों में समाज के लिए जो किया, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने सारे आभूषण और संपत्ति भारत की संस्कृति, नारी शिक्षा और समाज कल्याण के लिए समर्पित कर दी। उन्होंने कहा कि पहले महापुरुषों को याद करने के संगठित प्रयास नहीं होते थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ा जा रहा है। रानी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श है। उनका योगदान केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक है। ऐसे आयोजन न केवल स्मरण हैं, बल्कि एक सांस्कृतिक जागरण की शुरूआत भी हैं। इस भव्य आयोजन में रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र भी दिखाया गया, जिसमें उनके धार्मिक योगदान, सामाजिक कार्य और ऐतिहासिक उपलब्धियों को दशार्या गया। ऑडिटोरियम में उनकी जीवनी से जुड़े चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। समारोह में भाजपा पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी, पूर्व महापौर आशु वर्मा, आशा शर्मा, पूर्व विधायक कृष्णवीर सिंह सिरोही, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, जेबी यादव, चीफ इंजीनियर एन.के. चौधरी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सहित अनेक अधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नारी उत्थान की अग्रदूत थीं अहिल्याबाई होल्कर

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि इतिहास में कई ऐसे महापुरुषों का जिक्र नहीं किया गया जिन्होंने समाज और देश के लिए असाधारण योगदान दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने नारी शिक्षा, महिला सुधार और समाज सेवा के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे आज भी प्रासंगिक हैं। भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो बाबासाहेब आंबेडकर से लेकर अहिल्याबाई तक, हर राष्ट्रनिमार्ता को उचित सम्मान देती है।

संस्कृति और सनातन के लिए जीवन दांव पर लगाया

महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन एक संघर्षगाथा है, जिसने उन्हें भारत की महानतम महिला शासकों में स्थान दिलाया। उन्होंने आठ वर्ष की आयु में विवाह किया और मात्र 21 की उम्र में विधवा हो गईं। इसके बावजूद उन्होंने अपने जीवन को लोकसेवा, धर्म और संस्कृति के संरक्षण में समर्पित कर दिया। वह नारी शक्ति की जीती-जागती मिसाल हैं।

अहिल्याबाई सिर्फ इतिहास नहीं, हमारी चेतना हैं

भाजपा के पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया ने कहा कि होल्कर जैसी नारियों ने भारत की मिट्टी को गौरव दिलाया। वे केवल शासिका नहीं, बल्कि समाज सुधारिका थीं। आज जब हम उनके 300वीं जयंती मना रहे हैं, तो हमें संकल्प लेना चाहिए कि उनके आदर्शों पर चलकर समाज को नई दिशा देंगे।

आईएएस बनी अरण्या कैमी का शिक्षा प्रचार एवं प्रसार संस्थान ने किया सम्मान

मोदीनगर (हिन्द आत्मा)। हाल ही में आईएएस बनी अरण्या केमी का ग्राम सौन्दा स्थित डॉ० आंबेडकर बाल विद्यालय में शिक्षा प्रचार एवं प्रसार संस्थान के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। शुक्रवार को ग्राम सोंदा के डॉ० आंबेडकर बाल विद्यालय एवं जूनियर हाई स्कूल के प्रांगण में डॉ० अंबेडकर प्रतिभा सम्मान समारोह के नाम से आयोजित कार्यक्रम के दौरान हाल ही में आईएएस बनी ग्राम सौंदा निवासी कु० अरण्या कैमी का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन कवि डॉ० रामगोपाल भारतीय तथा देश राज भारती द्वारा संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिन्नी देवी महिला महा विद्यालय मोदीनगर की पूर्व प्राचार्य डॉ० रीता बख्शी ने की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में मेरठ के साहित्यकार डॉ० किरण सिंह, कवि चंद्र शेखर मयूर, कवि सुल्तान सिंह सुल्तान, खंड शिक्षा अधिकारी जमुना प्रसाद, कु० अरण्या कैमी उसके पिता आई

एफएस चर्चिल कुमार और माता श्रीमती प्रो० कमलेश आदि उपस्थित मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सर्वप्रथम संस्था महासचिव ओमप्रकाश ने मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उसके बाद मेरठ से पधारे कवियों चंद्र शेखर मयूर व सुल्तान सिंह सुल्तान की रचनाओं को बड़े ध्यान से सुनते हुए श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाई इस दौरान कवि देव राज मुरादनगर और ईश्वर दयाल त्यागी ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। इस शुभ अवसर पर क्षेत्र की उभरती गायिका कु० जेन्या प्रजापति ने कई मधुर गीत सुनाकर भाव विभोर कर दिया जिनमें गीत ए मेरे वतन, पर लोग भावुक हो उठे। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ० किरण सिंह ने डॉ० आंबेडकर के जीवन से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाते हुए बच्चों को सफल होने के कई उपयोगी मंत्र भी दिए। उन्होंने अपने संबोधन के अंत में जोशीली कई कविताओं के द्वारा श्रोताओं में जोश भर दिया। सम्मान समारोह को डॉ० रीता बख्शी, प्रो. देवेंद्र त्यागी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में आईएएस बनी कु० अरण्या सहित स्कूल की इंटरमीडिएट में कॉलेज टॉप करने वाली छात्रा कुमारी छवि प्रजापति सहित हाई स्कूल में टॉप करने वाले छात्र प्रियांशु प्रजापति व जीएसटी में टैक्स असिस्टेंट बनी विपासना गौतम को भी संस्था द्वारा शाल, सम्मान पत्र तथा बुद्ध वचनों की पुस्तक भेंट कर उनका सम्मान किया। इसके बाद जिसके बाद कु० अरण्या ने अपने संबोधन में सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे बच्चों को सफलता के कई मूल मंत्र बताएं। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय डॉ० आंबेडकर के सिद्धांतों, माता पिता तथा गुरु जनों को दिया। इस दौरान चर्चिल कुमार और कमलेश देवी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आसपास क्षेत्र से बड़ी संख्या में आए लोगों ने कु० अरण्या को शाल मालाएं और उपहार भेंट कर उसे अपना आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शांति प्रकाश, सीताराम, मुकेश कुमार, धर्मवीर सिंह, धर्मप्रकाश, गिरवर, राम भरोसे मौर्य, महकार, देव कुमार गौतम, प्रेमचंद, विद्यालय प्रधानाध्यापिका पवित्रा आदि का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ किया गया।

पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय, मोरटी, रजापुर में ग्रीष्मकालीन शिविर का किया गया आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय, मोरटी, रजापुर में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ.पी. यादव रहे। विशिष्ट अतिथियों में खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती कविता चौहान, जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा) कुणाल मुद्गल एवं

एसआरजी श्रीमती पूनम शर्मा शामिल रहीं। शिविर की शुरूआत विद्यालय बैंड से हुई। इसके पश्चात छात्रों ने कथक एवं राधा-कृष्ण नृत्य, पंढरपुर यात्रा नाट्य मंचन, हनुमान चालीसा पाठ, ड्राइंग व क्राफ्ट, फूड स्टॉल (लस्सी व भेलपुरी) और खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया। विशेष आकर्षण रहा बच्चों द्वारा अपशिष्ट सामग्री से तैयार पोशाकों के साथ किया गया रैंप वॉक, जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। बीएसए श्री यादव ने बच्चों के साथ बैडमिंटन खेला व प्रेरणादायक भाषण देकर सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम रचनात्मकता, ऊर्जा और उत्साह से परिपूर्ण रहा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ऐतिहासिक पहल: दिल्ली के आईटीआई संस्थानों में मिलेगा उद्योग-आधारित प्रशिक्षण

दिल्ली सरकार ने चार प्रमुख संस्थानों-मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्रा. लि., क्वेस्ट एलायंस और हेटिच पॉवर वुड वर्किंग इंस्टिट्यूट–के साथ तीन वर्षीय समझौता ज्ञापन पर किये हस्ताक्षर

हिन्द आत्मा संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज राजधानी के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में युवाओं को उद्योग से जोड़ने की ऐतिहासिक पहल की शुरूआत की। दिल्ली सरकार ने चार प्रमुख संस्थानों-मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्रा. लि., क्वेस्ट एलायंस और हेटिच पॉवर वुड वर्किंग इंस्टिट्यूट-के साथ तीन वर्षों के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक योग्यता, आधुनिक औद्योगिक उपकरणों का प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली के युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं। हमें उन्हें डिग्री आधारित नहीं, बल्कि दक्षता आधारित प्रशिक्षण देना होगा जिससे वे नौकरी और उद्यमिता-दोनों में सक्षम बन सकें।

मुख्यमंत्री ने समझौता ज्ञापन की जानकारी साझा करते हुए बताया कि दिल्ली के विभिन्न आईटीआई संस्थानों में अब युवाओं को सीधे उद्योग से जुड़ा, अत्याधुनिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। हेटिच पॉवर वुड वर्किंग इंस्टिट्यूट आईटीआई जेल रोड और नंद नगरी में वुड वर्किंग टेक्निशियन ट्रेड के छात्रों को निःशुल्क तकनीकी प्रशिक्षण, उपकरण, प्रशिक्षकों के लिए इंडस्ट्री-स्टैंडर्ड ट्रेनिंग और ऑन-जॉब ट्रेनिंग प्रदान करेगा। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्रा. लि. आईटीआई जहांगीरपुरी में दोपहिया मरम्मत, वेल्डिंग, रोबोटिक्स आदि में अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करेगी और सीएसआर के तहत आवश्यक बुनियादी ढांचे का विकास करेगी।

उन्होंने आगे बताया कि क्वेस्ट एलायंस छात्रों को करियर जागरूकता, रोजगार योग्य कौशल और सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षित करेगा, साथ ही महिला छात्रों को गैर-पारंपरिक ट्रेड्स में भागीदारी के लिए प्रेरित करेगा। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड आईटीआई पूसा और अरब की सराय में मोटर वाहन संबंधित ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्रदान करेगी, जिससे छात्रों को उन्नत तकनीकी ज्ञान और वास्तविक इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स पर काम करने के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस पहल को दिल्ली सरकार की 'कौशलयुक्त, सशक्त और रोजगारपरक शिक्षा; की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह साझेदारी केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि दिल्ली के युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनाएगी। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने समझौता ज्ञापन की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए बताया कि इस पहल के अंतर्गत सभी प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। कोर्स पूरा करने के उपरांत छात्रों को मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे, जो उनके कौशल को प्रमाणित करेगा। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित करना है, ताकि वे बदलते औद्योगिक परिवेश में सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा कर सकें।